कोटद्वार, शुक्रवार
18 अक्टूबर 2024
वर्ष: 46
अंक: 169 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कारोबार में निवेश के झांसे में दंपति से ठगे 6.80 लाख

देहरादून। टाइल्स कारोबार में निवेश का झांसा देकर 6.80 लाख रुपये ठग लिए गए। पटेलनगर थाने में महिला ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी गुजरात के निवासी हैं। सेवला कला निवासी आर्य विभा और उनके पति हरिओम त्यागी ने पटेलनगर थाने में तहरीर दी। आर्य विभा के अनुसार, उनके पति की मुलाकात आरोपी नीलेश जानी निवासी राजकोट, गुजरात से उस समय हुई जब वे टेलीकॉम कंपनी में नौकरी करते थे। अगस्त 2022 में नीलेश जानी ने अपने पार्टनर के साथ देहरादून में टाइल्स का शोरूम खोलने की योजना बताई और निवेश करने का प्रस्ताव रखा। नीलेश जानी और उनके सहयोगी दिनेश जयंतिलाल पंड्या निवासी मोरबी, गुजरात और स्नेह निलेशभाई पंड्या निवासी मोरबी, गुजरात ने पीड़िता के पति और उनके मित्र को कारोबार में साइलेंट पार्टनर बनने का झांसा देकर कुल 6.80 लाख की रकम प्राप्त की। आरोपियों ने 10 अप्रैल 2023 से 11 जुलाई 2023 के बीच विभिन्न तिथियों पर यह रकम विभिन्न खातों में जमा कराई। इसके बाद कोई व्यापारिक गतिविधि देहरादून में नहीं की। महिला के पति और उनके मित्र ने पैसे की वापसी की मांग की तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। इसके अलावा प्रार्थिनी को हाल ही में पता चला कि आरोपियों ने उनके जाली हस्ताक्षरों का उपयोग करके कानपुर में नए अनुबंध कर पैसे वसूले हैं। इंस्पेक्टर पटेलनगर केके लुंठी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आकर प्रॉपर्टी डीलर की मौत

ऋषिकेश। श्यामपुर में हरिद्वार–ऋषिकेश रेलवे ट्रैक पर एक प्रॉपर्टी डीलर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रॉपर्टी डीलर को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार दोपहर की है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। ट्रैक पर जख्मी हालत में पड़े शख्स की पहचान को आसपास के लोगों से पूछताछ की, जिसकी शिनाख्त जेडी शर्मा निवासी श्यामपुर, ऋषिकेश के रूप में हुई। अस्पताल में मृत घोषित होने के बाद परिजनों ने बताया कि जेडी शर्मा प्रॉपर्टी डीलर का काम करते हैं। उनके तीन बेटे घर से बाहर रहते हैं। वह श्यामपुर में पत्नी के साथ ही निवास कर रहे हैं। एसएसआई विनोद कुमार के अनुसार शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मृत्यु के सही कारण स्पष्ट हो पाएंगे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विधानसभा चुनाव को लेकर सुधांशु त्रिवेदी बोले- मतदाता वोट जिहाद को समझें और नेस्तनाबूत करें

दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों पर वोट जिहाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्ष बड़े पैमाने पर वोट जिहाद करने की तैयारी में हैं। महाराष्ट्र के मतदाता इस साजिश को समझें और इसे नेस्तनाबूद करें।

राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय स्वाभिमान के मुद्दे पर महा विकास आघाड़ी (एमवीए) वाले कुछ नहीं बोलेंगे, क्योंकि इससे वोट बैंक पर चोट पहुंचेगी। विपक्ष के बहराइच की घटना पर चुप्पी पर सवाल उठाया और कहा कि कोई इस पर क्यों नहीं बोल रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ लेबनान, फिलिस्तीन पर ये लोग हैशटैग चलाते हैं, लेकिन देश के अंदर की घटनाओं और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी साध लेते हैं। सांसद त्रिवेदी ने मुंबई में पत्रकार वार्ता की और केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों को गिनाया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा–महायुति चार प्रमुख मुद्दों समृद्धि, सुरक्षा, सद्भाव और स्वाभिमान के साथ मतदाताओं के सामने जा रही है। हमारी सरकार के सत्ता में आने से पहले एमवीए सरकार के दौरान महाराष्ट्र निवेश के मामले में पिछड़ गया था। कर्नाटक, गुजरात आगे चल रहे थे।

उत्तराखंड: अर्थव्यवस्था ने लगाई लंबी छलांग

● 24वें वर्ष में 24 गुना बढ़ी जीएसडीपी ● प्रति व्यक्ति आय में हुआ 17 गुना इजाफा

देहरादून। वर्षों की विकास यात्रा में उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था ने लंबी छलांग लगाई है। आज अर्थव्यवस्था का आकार 24 गुना बढ़ा है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। इससे साफ है कि उत्तराखंड राज्य में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है।

दो दशक दस माह के कालखण्ड में तमाम उतार चढ़ावों का सामना करते हुए उत्तराखंड ने हार नहीं मानी है। पहाड़वासियों के पहाड़ जैसे हौसले ने विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दी। आज राज्य की अर्थव्यवस्था (जीएसडीपी) लगातार सुधार की ओर है। अर्थव्यवस्था का बढ़ता आकार राज्य की समृद्धि को बयां कर रहा है। आंकड़ों पर नजर दौडाएं तो पता चलता है कि उत्तराखंड राज्य गठन के वक्त यानी वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार 14501 करोड़ था, जो 2023–24 में बढ़कर 346000 करोड़ रुपये हो चुका है। इसमें पर्यटन क्षेत्र का अहम योगदान रहा है। दो वर्ष पूर्व जीएसडीपी में पर्यटन सेक्टर की भागीदारी 37 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 43.7 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आमदनी भी बढ़कर 2लाख 60 हजार हो चुकी है। जबकि वर्ष 2000 में प्रति व्यक्ति आय 15285 थी। पिछले दो वर्षों के आंकड़ों पर ही नजर डालें तो राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 26 प्रतिशत वृद्धि हुई है। राज्य में विकास के रफ्तार पकड़ने से बजट में भी बीस गुना बढ़ोतरी हुई है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में उत्तराखंड का बजट 4500 करोड़ के करीब था। जबकि वर्ष 24–25 के लिए कुल 94 हजार करोड़ से अधिक बजट का प्रावधान किया गया है। इसमें आम बजट और 5013.05 अनुपूरक बजट की धनराशि शामिल है

उत्तराखंड में तरक्की के नए द्वार खुले

राज्य गठन के 24 वर्षों में उत्तराखंड ने विकास की नई उंचाइयों को हासिल किया है। इस विकास यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला कालखंड विशेष रहा है। इस दौर में उत्तराखंड में तरक्की के नए द्वार खुले हैं। आर्थिक मोर्चे पर हमारा प्रदर्शन उत्साहजनक रहा है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 17 गुना वृद्धि हुई है। हमने आगामी पांच वर्षों में राज्य की जीएसडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। राजस्व वृद्धि के लिए कारगर कदम उठाए गए हैं। घाटे में चल रहे राज्य सरकार के कई विभाग आज लाभ देने की स्थिति में आ रहे हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि राज्य की देवतुल्य जनता और शासन–प्रशासन के प्रयासों से हम इस लक्ष्य को पाने में सफल होंगे।

शीतकाल के लिए बंद हुए भगवान रूद्रनाथ के कपाट

चमोली : उत्तराखंड में भगवान शंकर के पंच केदार में एक श्री रुद्रनाथ मंदिर के कपाट गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त पर वेद मंत्रों के साथ शीतकाल के लिए बंद हो गये हैं। कपाट बंदी के बाद भगवान रुद्रनाथ की उत्सव विग्रह डोली के साथ रुद्रनाथ के पुजारी वेदप्रकाश भट्ट और महादेव भट्ट श्रद्धालुओं के साथ संध्या के समय में रुद्रनाथ की शीतकालीन गद्दी स्थल गोपीनाथ मंदिर पहुंचे। भगवान रूद्रनाथ की उत्सव विग्रह डोली के गोपीनाथ मंदिर पहुंचने पर फूल मालाओं, दीप थालों के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने का भव्य स्वागत किया। गुरुवार को रुद्रनाथ मंदिर में प्रातः 4 बजे से विधिवत्त पूजा प्रारम्भ हुयी। भगवान का अभिषेक शुरू हुआ। अभिषेक के बाद भगवान रुद्रनाथ को हिमालयी औषधियों और वनस्पतियों से समाधिस्थ स्वरूप दिया गया। इसके बाद रुद्रनाथ विग्रह उत्सव डोली ने प्रस्थान किया। रुद्रनाथ से ग्वाड़ में रुद्रनाथ उत्सव डोली पहुंचने पर गांव के लोगों रुद्रनाथ विग्रह डोली का अभिनन्दन किया। शाम 5 बजे गोपीनाथ मंदिर में पहुंचने पर डोली का भव्य स्वागत किया गया। गोपीनाथ गोपीनाथ मंदिर के भंडारक ठाकुर अमित रावत ने भगवान रुद्रनाथ की उत्सव डोली के गोपेश्वर मंदिर में पहुंचने पर हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान की डोली का स्वागत किया। (एजेंसी)

ट्रांसजेंडर सुरक्षा को सरकार योजना बताएं: हाईकोर्ट

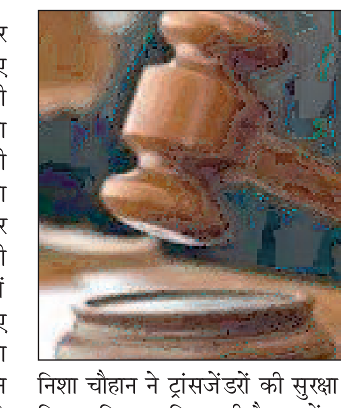

नैनीताल। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदम को लेकर तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट 18 नवंबर तक पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ में हुई। गुरुवार को राज्य में ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा के लिए एक्ट बनाए जाने को लेकर दायर याचिका पर अदालत ने सुनवाई की। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को अवगत कराया गया कि ट्रांसजेंडर के अधिकार और संरक्षण के लिए एक्ट बना दिया गया है। राज्य और जिलों में ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल बना दिए गए हैं। पूर्व में अदालत ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए नियमावली और एक्ट बनाए जाने के निर्देश दिए थे।

यह है मामला

मामले में देहरादून की ट्रांसजेंडर निशा चौहान ने ट्रांसजेंडरों की सुरक्षा के लिए याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि रजनी रावत गैंग से उनको खतरा है। गैंग ने उनके साथ वर्ष 2018, 2023 और अब 2024 में मारपीट की और उनसे पैसे भी छीने गए। उन्हें सुरक्षा दिलाई जाए। साथ ही याचिका में ट्रांसजेंडरों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक्ट बनाने की मांग की गई है। जिससे उन्हें सुरक्षा मिल सके और वे समाज का एक हिस्सा बन सकें।

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड (यूएमईबी) ने की बड़ी पहल

● मदरसो में गूजेंगे श्लोक और मंत्र, संस्कृत होगा अनिवार्य विषय

देहरादून। उत्तराखंड के मदरसों में जल्द ही आपको बच्चे संस्कृत में श्लोक और मंत्र पढ़ते दिखाई देंगे। इसकी शिक्षा छात्रों को पंडित देंगे। इसे लेकर उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड (यूएमईबी) ने बड़ी पहल की है। बोर्ड राज्य भर के 416 मदरसों में संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने की योजना बना रहा है। इसके लिए बोर्ड ने औपचारिक प्रस्ताव का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इस बदलाव को लागू करने के लिए बोर्ड राज्य के संस्कृत विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करवाना चाहता है।

संस्कृत के अलावा, मदरसा छात्रों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को समृद्ध करने के लिए कंप्यूटर स्टडीज को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। यूएमईबी के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि बोर्ड ने मदरसों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू किया है, जिसके परिणामस्वरूप इस साल 95 प्रतिशत से ज्यादा छात्रों को सफलता मिली। उन्होंने कहा कि छात्रों के असाधारण प्रदर्शन से पता चलता है कि पाठ्यक्रम में संस्कृत को शामिल करने से उनके शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस पहल के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और इसे लेकर संस्कृत विभाग के साथ चर्चा चल रही है। कासमी ने यह भी बताया कि संस्कृत विभाग के अधिकारियों के साथ कई बैठकें हो चुकी हैं और उन्हें जल्द ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड ने 416 मदरसों को पंजीकृत किया है, जो सामूहिक रूप से 70,000 से ज्यादा छात्रों को शिक्षा देते हैं। इसके अलावा, अतिरिक्त मदरसे पंजीकरण के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया में हैं और आने वाले सालों में यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद, ये मदरसे नए पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए संस्कृत शिक्षकों की भर्ती शुरू कर देंगे। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, कासमी ने बताया, 'अरबी भाषा पहले से ही 100 से ज़्यादा मदरसों में पढ़ाई जा रही है और अगर संस्कृत की कक्षाएं भी जल्द शुरू हो जाती हैं तो यह बहुत खुशी की बात होगी। मौलवी और पंडित दोनों के पढ़ाने से हमारे छात्रों को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।'

शरद पूर्णिमा के स्नान को उमड़े श्रद्धालु डुबकी लगाने लायक नहीं मिला गंगाजल

हरिद्वार। शरद पूर्णिमा स्नान पर्व पर गुरुवार को हरकी पैड़ी के घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हालांकि, गंगनगर बंदी के चलते श्रद्धालुओं को डुबकी लगाने के लिए पर्याप्त जल नहीं मिल पाया। करीब डेढ़ फुट गंगाजल हरकी पैड़ी पर रहा। सामान्य दिनों से साढ़े चार से पांच फुट तक गंगजल घाटों पर रहता है।

गंगाजल कम होने के चलते श्रत्रालु लोटे–केन में जल भरकर स्नान करते रहे। स्नान के लिए दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब सहित उत्तराखंड के अलग–अलग जिलों से श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही हरकी पैड़ी और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर पूजा अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा अमृत पर्व है। इस तिथि को चंद्रमा अपनी सम्पूर्ण कलाओं से परिपूर्ण होकर पृथ्वी के निकट आता है। मान्यता है कि इस दिन आसमान से अमृत बरसता है और गंगाजल में अमृत तत्व की अधिकता हो जाती है। इस मान्यता के चलते हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान को धर्मनगरी पहुंचे।

राजा भैया की बीबी की जमीन उत्तराखण्ड सरकार ने कर ली जब्त

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश के प्रभावी नेता रघुराज प्रताप सिंह की पत्नी भानवी सिंह के नाम से रजिस्ट्री जमीन को नैनीताल में जब्त किया गया है। दरअसल, उत्तराखंड सरकार कृषि भूमि को 'बाहरी लोगों' के अधिग्रहण से बचाने के लिए एक सख्त कानून पर विचार कर रही है। इसको देखते हुए नैनीताल के जिला प्रशासन ने उत्तर प्रदेश के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी रजिस्टर जमीन पर कार्रवाई हुई है। भानवी सिंह इस समय राजा भैया से अलग रह रही हैं। दोनों के बीच तलाक का केस भी चल रहा है। नैनीताल में उनकी आधा हेक्टेयर (27.5 नाली) से अधिक जमीन जब्त कर ली है। भानवी सिंह के नाम पर कैंची धाम उपखंड के अंतर्गत सिल्टोना गांव में स्थित यह जमीन 2006 में कृषि उद्देश्यों के लिए खरीदी गई थी। इसके बाद से अब तक इस पर कोई खेती–बाड़ी नहीं हुई है। जांच के बाद राजस्व विभाग ने संपत्ति जब्त करने की कार्यवाही शुरू की। आयुक्त की अदालत और राजस्व बोर्ड में कार्रवाई को चुनौती देने के बावजूद भानवी सिंह की अपील खारिज कर दी गई। राजस्व विभाग के एक अधिकारी नरेश असवाल ने कहा कि उत्तराखंड के कानून के अनुसार कृषि के लिए खरीदी गई जमीन का इस्तेमाल दो साल के भीतर उसी उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सर्वेक्षणों से पता चला है कि 2006 से इस भूमि पर कोई कृषि गतिविधि नहीं हुई है, जिसके कारण हमें संपत्ति को सरकार को सौंपने की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, भानवी सिंह ने अतिक्रमण को रोकने के लिए भूमि पर कांटेदार तार की बाड़ लगाई थी, लेकिन खेती न होने के बाद उन्हें नोटिस भेजा गया। आयुक्त न्यायालय और राजस्व बोर्ड में अपनी अपील हारने के बाद राज्य सरकार ने औपचारिक रूप से भूमि पर कब्जा कर लिया।

एसडीएम ने दी जानकारी

कैंची धाम के एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने पुष्टि की कि भूमि अब सरकार के नियंत्रण में है और इस पर लगी बाड़ हटा दी गई है। एसडीएम पंत ने बताया कि संपत्ति 2006 में एक स्थानीय ग्रामीण से खरीदी गई थी, लेकिन इसने उत्तराखंड (यूपी जेडएएलआर संशोधन) अधिनियम की धारा 154(4)(3) का उल्लंघन किया। एसडीएम ने कहा कि अधिनियम के अनुसार भूमि को दो साल के भीतर अपने स्वीकृत उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाना आवश्यक है। अब भूमि जेडएएलआर अधिनियम की धारा 167 के तहत राज्य को सौंप दी गई है।

करीब 15 करोड़ की है प्रॉपर्टी

भानवी सिंह के नाम पर बेतालघाट ब्लॉक में स्थित इस संपत्ति की कीमत बाजार भाव के अनुसार 14 करोड़ से 15 करोड़ रुपये के बीच आंकी गई है। इसको सीज किए जाने पर चर्चा हो रही है। राजा भैया जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष है और कुंडा से विधायक हैं। वैवाहिक विवाद के कारण उनकी पत्नी अपने चार बच्चों के साथ दिल्ली में अलग रहती हैं।

यूपी उपचुनाव: सपा—कांग्रेस मिलकर लड़ेंगी चुनाव, हुआ सीटों का बंटवारा

लखनऊ। यूपी की दस सीटों में होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस और सपा मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सपा आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलेंगी। फिलहाल चुनाव आयोग ने नौ सीटों के लिए चुनावी कार्यक्रम तय किया है। मिल्कीपुर की सीट पर पिटीशन होने की वजह से यहां के लिए चुनाव की तारीखें तय नहीं हुई हैं। बाकी सीटों पर 13 नवंबर को चुनाव होना है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस को उपचुनाव में गाजियाबाद और खैर सीट दे दी गई है। खैर सीट अलीगढ़ जिले में आती है। इन दो सीटों के अलावा बाकी सीटें सपा लड़ने जा रही है। कुंदरकी सीट के अलावा पार्टी ने बाकी सीटों पर प्रत्याशी भी घोषित कर दिए हैं।

श्रीनगर में हुई थी चर्चा

सूत्रों के मुताबिक, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच इस मुद्दे पर श्रीनगर में बुधवार को चर्चा हुई थी। कांग्रेस पहले से ही यह दो सीटें मांग रही थी।

सपा इन सीटों पर लड़ रही है चुनाव

सप 9 अक्तूबर को ही मिल्कीपुर के साथ करहल, सीसामऊ फूलपुर, कटेहरी और मझवां में प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। अब प्रत्याशी उतारने के लिए कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद और खैर सीटें बची थीं। आज ही शाम को सपा ने मीरापुर में प्रत्याशी घोषित कर दिया था।

सुंबुल राणा को दिया टिकट

समाजवादी पार्टी ने मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सुंबुल राणा को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। सुंबुल राणा पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधू हैं और बसपा नेता एवं पूर्व सांसद मुनकाद अली की बेटी हैं।

मिल्कीपुर में चुनाव लड़ने से भाग रही सपा: जेपीएस राठौर

अयोध्या जिले की मिल्कीपुर (सुरक्षित) सीट पर 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल याचिका फैसला टलने के लिए भाजपा ने सपा को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि सपा इस सीट पर हार से डर रही है। इसलिए जानबूझ कर याचिका का विरोध किया है। इससे स्पष्ट है कि सपा चुनाव लड़ने से भाग रही है। उन्होंने कहा कि अगर सपा वास्तव में चुनाव कराना चाहती है तो उसे चुनाव आयोग में लिखित रूप से देना चाहिए और चुनाव कराने की मांग कर करनी चाहिए।

मंत्री ने कहा सपा यह जान चुकी है कि उसे सभी सीटों पर मुंह की खानी पड़ेगी। इसलिए वह किसी न किसी बहाने चुनाव को टलवाना चाहती है। वहीं, याचिका दाखिल करने वाले गोरखनाथ का भी कहना है कि 2022 के चुनाव परिणाम को लेकर एक और याचिका दाखिल करने वाले शिवमूरत भी उनके साथ याचिका वापस लेने के लिए कोर्ट आए हुए थे, लेकिन सपा नहीं चाहती है कि मिल्कीपुर सीट पर चुनाव हो। इसलिए सपा ने याचिका के वापस होने संबंध अपील का विरोध किया है।

दूसरे समुदाय के सैलून संचालक ने युवती से की छेड़छाड़

देहरादून। देहरादून जिले के नुंनावाला, भानियावाला में शाम करीब सवा सात बजे पुरानी हरिद्वार रोड स्थित एक विशेष समुदाय के सैलून संचालक ने सैलून के अंदर क्षेत्र की एक युवती के साथ छेड़खानी कर दी। युवती ने सैलून से बाहर निकलकर लोगों को जानकारी दी। अपने ऑफिस के बाहर खड़े भाजपा नेता संजीव सैनी भी युवती के पास पहुंचे। जिसके बाद वहां हंगामा खड़ा हो गया।

सूचना पाकर अन्य भाजपा नेता और हिंदू संगठन के लोग मौके पर पहुंचे। कुछ लोगों ने आरोपी युवक की पिटाई और सैलून में तोड़फोड़ भी की। इसी बीच आरोपी युवक व अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फरार तीन युवकों को पकड़ा। जिसमें से एक युवक गन्ने के खेत में छिपा हुआ था। चौकी इंचार्ज सुमित चौधरी ने कहा कि युवती की पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

13 वर्षीय बालक को गुलदार ने बनाया अपना निवाला

रुद्रपुर। नानकमत्ता क्षेत्र के ग्राम बिचुआ के भूड़झाला में गुरुवार को घर के आंगन में अपने भाइयों के साथ खेल रहे एक 13 वर्षीय बालक को गुलदार ने मार डाला। घटना की जानकारी मिलते ही रनसाली रेंजर महेंद्र सिंह रैकुनी वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मारा गया बालक कक्षा छह का छात्र था। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे 13 वर्षीय गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र कुलविंदर सिंह निवासी भूड़झाला, बिचुआ अपने दो भाइयों के साथ आंगन में खेल रहा था। अचानक पास के जंगल से गुलदार आ गया। गुलदार गोपी को दोनों भाइयों के सामने गला पकड़कर खींचकर ले जाने लगा। भाइयों के चीखने पर परिजन व अन्य लोग भागे। शोरगुल के बाद गुलदार गोपी को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजन ग्रामीणों के साथ गोपी को उप जिला चिकित्सालय सितारगंज लाए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही रनसाली रेंजर महेंद्र सिंह रैकुनी वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा व रेंजर रैकुनी अस्पताल भी पहुंचे। यहां परिजनों से जानकारी ली। वन विभाग की टीम गुलदार के पगचिह्नों को खोजने के लिए घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन मौके पर पगचिह्न नहीं मिले। वहीं गोपी की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गुरप्रीत सिंह गुरुनानक उच्च प्राथमिक विद्यालय बिचुआ में कक्षा 6 का छात्र था। उसके पिता मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है।

बहराइच हिंसा के पांचों आरोपी गिरफ्तार

बहराइच । महाराजगंज में हुए हत्याकांड के दो मुख्य आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए हैं। उनके पैरों में गोली लगी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने नानपारा बायपास पर हांडा बसेहरी नहर के पास आरोपियों की घेराबंदी की। जहां पुलिस व आरोपियों के बीच जवाबी फायरिंग हुई जिसमें दो आरोपी घायल हो गए। आरोपियों के नाम मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालीम हैं। यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बताया कि एनकाउंटर के बाद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये सभी हिंसा के आरोपी थे। उन्होंने कहा कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। घायल आरोपियों को इलाज के लिए नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया गया था। जहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। इस बीच मेडिकल कॉलेज को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। परिसर में चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल की तैनाती की गई है। किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। जिले की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि घायल होने वाले आरोपी मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालिम हैं। पुलिस के अनुसार, नानपारा इलाके में हुई मुठभेड़ में आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की जिस पर पुलिस ने उनके पैरों में गोली मारी है।

पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद दबोचा

यूपी पुलिस ने मामले पर बयान जारी करते हुए कहा कि रविवार को महराजगंज में एक युवक की गोली मार कर हत्या करने के केस में आज बहराइच पुलिस द्वारा पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनके नाम मोहम्मद फहीन, मोहम्मद तालीम, मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद हमीद और मोहम्मद अफजल हैं। पहले दो की निशानदेही पर मर्डर में प्रयुक्त हुए हथियार की बरामदगी के लिए जब पुलिस टीम लेकर गई तो इनके द्वारा वहां रखे हथियारों से पुलिस पर फायरिंग की गई। जवाबी फायरिंग में दोनों को गोली लगी है।

भू–धसाव प्रभावित ज्योतिर्मठ में सुरक्षात्मक कार्यों की डीपीआर की दी प्रस्तुति

चमोली : ऐतिहासिक एवं धार्मिक शहर ज्योतिर्मठ की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीरता से काम कर रही है। भूधंसाव से प्रभावित ज्योतिर्मठ शहर में सुरक्षात्मक कार्यों के लिए डीपीआर तैयार करने का काम लगभग पूरा हो गया है। आईआईटी रुड़की से डीपीआर का परीक्षण पूरा करने पर जल्द इस पर काम शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को ज्योतिर्मठ में स्थानीय लोगों को प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देते हुए यह बात कही।

ज्योतिर्मठ में प्रस्तावित सुरक्षात्मक कार्यो को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नगर पालिका सभागार में स्थानीय लोगों के साथ बैठक हुई।

केदारनाथ उपचुनाव को भाजपा तैयार, पार्टी हाईकमान को भेजे 6 नाम

देहरादून। भाजपा लंबे समय से केदारनाथ उपचुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। मंगलवार को निर्वाचन आयोग की ओर से उपचुनाव का कार्यक्रम जारी होने के बाद पार्टी ने प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसके तहत पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर आए नामों पर स्टेट पार्लियामेंट्री बोर्ड में विचार विमर्श किया गया। इसके बाद नाम केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड को भेजे गए हैं। भाजपा सूत्रों ने बताया कि पैनल में छह नेताओं के नाम शामिल हैं। इनमें पूर्व विधायक आशा नौटियाल, कुलदीप रावत, चंडी प्रसाद भट्ट, एश्वर्या रावत, कुलदीप आजाद नेगी और कर्नल अजय कोठियाल के नाम शामिल हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि उन्होंने स्टेट पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वर्चुअल रूप से जुड़े। अब हाईकमान के स्तर के पैनल में से एक नाम फाइनल होने का इंतजार हो रहा है। टिकट फाइनल होते ही पार्टी सक्रियता को और बढ़ाएगी। उधर, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि पार्टी ने प्रत्याशी चयन को रुद्रप्रयाग में संगठन की ओर से दिए गए नामों पर चर्चा की। पैनल के लिए आए सभी नामों के संदर्भ में क्षेत्रीय, सामाजिक और सांगठनिक पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। उसके बाद स्टेट पार्लियामेंट्री बोर्ड के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नामों का पैनल केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड को भेजने का निर्णय लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बुधवार को कहा कि हिंदुओं को बांटने और डेमोग्राफिक बदलाव का समर्थन करने वालों को केदारघाटी की जनता उपचुनाव में सबक सिखाएगी। पत्रकार वार्ता में भट्ट ने कहा– बदरीनाथ व अयोध्या के चुनावी नतीजों को सनातन से जोड़ने वाली कांग्रेस को कुरुक्षेत्र व वैष्णो देवी सीट पर हुई हार को भी अपने खिलाफ सनातनी जनादेश मानना चाहिए।

सम्पादकीय

कार्यकर्ताओं का दर्द परिवारवाद

केदारनाथ उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तैयारी युद्ध स्तर पर नजर आ रही है। कांग्रेस भले ही अब तक अपने संभावित प्रत्याशियों की सूची तैयार नहीं कर पाई है, लेकिन भाजपा ने अपने दावेदारों का पैनल तैयार कर हाई कमान को भेज दिया है। हालांकि केदारनाथ उप चुनाव में ताल ठोकने के लिए इस बार कई नाम सामने आए हैं और यह तय है कि फाइनल नाम चुनने में अभी काफी माथा पच्ची होने वाली है। विधानसभा क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ता भी अपना भाग्य आजमा रहे हैं लेकिन केदारनाथ से दिवंगत विधायक शैला रानी की पुत्री का नाम भी दावेदारी में आने के बाद कार्यकर्ताओं में संशय भी देखा जा रहा है। भाजपा की ओर से केदारनाथ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मंथन चल रहा है।

बद्रीनाथ एवं मंगलौर उपचुनाव में हार के बाद पार्टी बद्रीनाथ सीट को लेकर एड़ी चोटी का जोर लगा रही है और यही कारण है कि इस बार ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया जा सकता है जो क्षेत्र में लोकप्रिय होने के साथ–साथ स्थानीय लोगों के संपर्क में भी हो। उधर दावा पेश करने वाले दावेदार इस बात को लेकर भी दुविधा में भी हैं की कहीं हर बार की तरह इस बार भी पार्टी टिकट देने में वही सिद्धांत ना अपनाए जो कि इससे पहले चीमा, हरबंस कपूर या दूसरे ऐसे विधायकों के परिवार जनों के साथ अपनाया गया था। भाजपा ने टिकट बंटवारे को लेकर हमेशा से ही खुद को परिवारवाद से अलग रखने का दावा जरूर किया है लेकिन उत्तराखंड में ही नहीं बल्कि देश के अन्य भागों में भी पार्टी के कद्दावर नेताओं व विधायकों के पुत्रों या पत्नियों को टिकट मिलते आए हैं। कार्यकर्ता भी चुनाव में अपनी दावेदारी पेश करते हैं लेकिन कहीं ना कहीं परिवारवाद के कारण योग्य होने के बावजूद भी वह अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाते। यही कारण है कि केदारनाथ उपचुनाव को लेकर संसदीय बोर्ड पैनल में आए सभी नामों पर क्षेत्रीय, सामाजिक एवं सांगठनिक पहलुओं पर विस्तार से विमर्श के बाद ही कोई नाम फाइनल करेगा। प्रदेश संसदीय बोर्ड को रुद्रप्रयाग जिले से पैनल में नौ नाम भेजे गए, जिनमें पूर्व विधायक आशा नौटियाल, ऐश्वर्या रावत, दायित्वधारी चंडी प्रसाद भट्ट, कुलदीप रावत, कर्नल अजय कोठियाल, पूर्व दायित्वधारी दिनेश बगवाड़ी, राष्ट्रीय संगठन में रहे कुलदीप आजाद नेगी, संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष शकुंतला जगवाण और पंकज भट्ट के नाम भी हैं, लेकिन देखना यह है कि वह भाग्यशाली कौन है जो इस बार भाजपा के टिकट पर विजय होने की स्थिति में केदारनाथ का विधायक बनने का अवसर प्राप्त करेगा। यहां पार्टी के आगे पूर्व विधायक आसान नौटियाल दिवंगत विधायक शैलजा रानी की पुत्री ऐश्वर्या रावत तथा आम आदमी पार्टी से भाजपा में कर्नल अजय कोठियाल को लेकर निर्णय लेने में चुनौतियां पेश आ सकती हैं, हालांकि अधिकांश कार्यकर्ताओं का माननाह कि अजय कोठियाल की दावेदारी में कोई दम नहीं है, और न वो जिताऊ नाम है। बद्रीनाथ हार के बाद यदि केदारनाथ सीट पर हल्के प्रत्याशी के चयन के कारण निराशा हाथ लगी तो संगठन स्तर पर भी आलोचना का दौर शुरू हो सकता है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि जमीन से जुड़े ऐसे कर्मठ लोगों को भी मौका मिलना चाहिए जो लंबे समय से पार्टी के लिए काम करते आ रहे हैं, बल्कि यह नहीं की सिर्फ कोई विधायक या किसी खास नेता या पदाधिकारी का करीबी है तो इसे प्रत्याशी चयन की योग्यता मान लिया जाए। उधर कांग्रेस के खेमे में प्रत्याशी चयन को लेकर अभी शांति नजर आ रही है लेकिन जिस प्रकार से कांग्रेस ने मंगलौर एवं बद्रीनाथ सीट पर जीत हासिल की है उससे पार्टी के हौसले बुलंद है और यदि केदारनाथ सीट पर कांग्रेस कोई बड़ा उलटफेर करती है तो आश्चर्य भी नहीं होना चाहिए।

हरित प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए नई रूपरेखा

अशोक कुमार

भारत ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने और अपने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, दो आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के भविष्य को आकार देंगे। ये अनुपालन व्यवस्था के लिए विस्तृत प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों के लिए मान्यता प्रक्रिया और पात्रता मानदंड हैं।

आशा है कि वे मिलकर कार्बन उत्सर्जन की मात्रा निर्धारित करने और कार्बन क्रेडिट के व्यापार को सुविधाजनक बनाने के भारत के प्रयासों को उत्प्रेरित करेंगे, जिससे देश अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को अपनाएगा। भारत की जलवायु रणनीति, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में उल्लिखित है। भारत ने न केवल इसे पूरा किया है बल्कि अपने कई लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही पूरा कर लिया है। वर्ष 2016 में हस्ताक्षरित, पेरिस समझौते का उद्देश्य सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना था। भारत ने शुरू में वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33–35 प्रतिशत तक कम करने का वादा किया था। हालाँकि, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए इस लक्ष्य को समय से पहले ही प्राप्त कर लिया। अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए, 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी–26) में, भारत ने और भी अधिक आक्रमक लक्ष्य निर्धारित किए। इसने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने, वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और उसी समय सीमा के भीतर गैर–जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से अपनी 50 प्रतिशत बिजली उत्पन्न करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इनमें से कुछ प्रमुख उपलब्धियां तय समय से पहले ही हासिल करके, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयास में नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। लेकिन हम वहां कैसे पहुंचे? यहीं पर भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) आता है। विचार सरल हैः यदि कोई कंपनी अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करती है, तो वह कार्बन क्रेडिट नामक कुछ अर्जित करती है, जिसे वह अन्य कंपनियों को बेच सकती है जो अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह एक पुरस्कार प्रणाली की तरह है – जो कंपनियाँ पर्यावरण के लिए बेहतर काम करती हैं वे पैसा कमा सकती हैं, जबकि जिन्हें सुधार के लिए अधिक समय की आवश्यकता है वे अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीद सकती हैं। भारतीय कार्बन बाजार को एक व्यापक और पारदर्शी प्रणाली की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास को गति देते हुए डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा दे सके। भारतीय कार्बन बाजार, उत्सर्जन मूल्य निर्धारण पर बल देने के साथ, इस संतुलन को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करता है। कंपनियों को कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देकर, भारत का लक्ष्य सार्वजनिक और निजी दोनों हितधारकों को अपने कार्बन उत्सर्जन को सक्रिय रूप से कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे देश को लागत प्रभावी और बडे पैमाने पर डीकार्बोनाइज करने में सक्षम बनाया जा सके।

भारतीय कार्बन बाज़ार ढांचे का निर्माण

भारतीय कार्बन बाजार की नींव वर्ष 2022 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में संशोधन के साथ रखी गई थी, जिसने सरकार को कार्बन क्रेडिट व्यापार योजना (सीसीटीएस) स्थापित करने का अधिकार दिया। यह योजना भारत को वैश्विक कार्बन बाजार प्रथाओं के साथ जोड कर कार्बन व्यापार को संचालित करने के लिए आवश्यक नियामक संरचना प्रदान करती है। सीसीटीएस, जून 2023 में पेश किया गया और दिसंबर 2023 में और संशोधित किया गया, जो दो प्रमुख व्यवस्थाओंः अनुपालन और ऑफसेट के माध्यम से कार्बन व्यापार के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करता है।अनुपालन व्यवस्था उन उद्योगों और क्षेत्रों को लक्षित करता है जिन्हें "बाध्य संस्थाओं" के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन संस्थाओं को सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) लक्ष्यों को पूरा करना आवश्यक है। यदि कोई बाध्य इकाई अपने उत्सर्जन को निर्धारित लक्ष्य से कम कर देती है, तो उसे कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसका ट्रेडिंग एक्सचेंज पर कारोबार किया जा सकता है। इसके विपरीत, जो संस्थाएँ अपने लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहती हैं, उन्हें अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीदना होगा। यह बाज़ार–संचालित व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि कंपनियों को उत्सर्जन में कटौती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिससे यह भारत के लिए अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन सके।

ऑफसेट व्यवस्था गैर–बाध्यकृत संस्थाओं को कार्बन बाजार में स्वेच्छा से भाग लेने की अनुमति देकर अनुपालन प्रणाली को पूरक करता है। ये संस्थाएं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं या उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से पहल शामिल हो सकती हैं, कार्बन क्रेडिट के लिए अपनी गतिविधियों को पंजीकृत कर सकती हैं। समग्र उत्सर्जन में कमी में योगदान देकर, इन परियोजनाओं को कार्बन क्रेडिट से सम्मानित किया जाता है जिसका व्यापार किया जा सकता है। इससे भारत के कार्बन बाजार में प्रतिभागियों के एक व्यापक नेटवर्क को प्रोत्साहन मिलता है।

अनुपालन और सत्यापन का समर्थन करने के लिए नए दिशानिर्देश

अनुपालन व्यवस्था की विस्तृत प्रक्रिया बताती है कि कार्बन बाजार प्रणाली कैसे काम करती है। यह कंपनियों को दिखाता है कि वे अपने उत्सर्जन स्तर की कैसे निगरानी और रिपोर्ट कर सकते हैं और यदि वे अपने उत्सर्जन–कटौती लक्ष्यों को पूरा करते हैं या पूरा करते हैं तो वे कार्बन क्रेडिट कैसे अर्जित कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि कोई सीमेंट कंपनी अपने उत्सर्जन को आवश्यकता से अधिक कम कर देती है, तो वह अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकती है। ये क्रेडिट उन बिंदुओं की तरह हैं जिन्हें कंपनी किसी अन्य व्यवसाय, संभवतः इस्पात कारखाने को बेच सकती है, जिसके लिए उत्सर्जन कम करना कठिन हो रहा है। इस तरह, जिन व्यवसायों को उत्सर्जन में कटौती के लिए अधिक समय की आवश्यकता है, वे अब भी बेहतर प्रदर्शन करने वालों से क्रेडिट खरीदकर अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। अनुपालन व्यवस्था की यह विस्तृत प्रक्रिया, अनुपालन प्रक्रिया के लिए कैसे काम करेगी, इसके लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। यह दस्तावेज़ उन सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और समय–सीमाओं की रूपरेखा तैयार करता है जिनका हितधारकों को अपने उत्सर्जन कटौती दायित्वों को पूरा करने के लिए पालन करना चाहिए। इसमें यह मार्गदर्शन शामिल है कि संस्थाओं को अपने ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की निगरानी, ??रिपोर्ट और सत्यापन कैसे करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह है।दूसरा दिशानिर्देश, जिसे प्रत्यायन प्रक्रिया कहा जाता है, यह सुनिश्चित करता है कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है या नहीं, और इसकी जांच करने वाली कंपनियां भरोसेमंद और सक्षम हैं। यह सत्यापित करने के लिए कि क्या व्यवसाय ईमानदारी से अपने उत्सर्जन स्तर की रिपोर्ट कर रहे हैं, इसके लिए मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियां ??(एसीवी) तीसरे पक्ष के संगठन होंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई उद्योग अधिक ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी या नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्सर्जन को कम करने का दावा करता है, तो एसीवी किसी भी कार्बन क्रेडिट देने से पहले संख्याओं की दोबारा जांच करेगा।

यह ऐसे लेखा परीक्षक होने जैसा है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सटीक और निष्पक्ष हो। यह सुनिश्चित करता है कि प्रणाली पारदर्शी है, और हम भरोसा कर सकते हैं कि उत्सर्जन में कटौती वास्तविक है, न कि केवल कागज पर। यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि यह प्रणाली व्यवहार में कैसी दिख सकती है, आइए कुछ वास्तविक दुनिया के उदाहरणों पर विचार करेंः भारत में एक बड़ी इस्पात कंपनी को वर्ष के अंत तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 10 प्रतिशत तक कम करना होगा। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए, कंपनी अपनी मशीनरी को अधिक ऊर्जा–दक्ष बनाने के लिए अपग्रेड करती है, जिससे उसका कार्बन उत्सर्जन 15 प्रतिशत कम हो जाता है। इन उत्सर्जन की जाँच और सत्यापन मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों द्वारा किया जाता है। अतिरिक्त 5 प्रतिशत कटौती से कंपनी को कार्बन क्रेडिट मिलता है जिसे वह सीमेंट निर्माता जैसी किसी अन्य कंपनी को बेच सकती है, जो अपने उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। इस तरह, दोनों कंपनियों को लाभ होता है जबकि भारत का समग्र उत्सर्जन कम हो जाता है।

भारतीय कार्बन बाज़ार के लिए भविष्य में आगे क्या होगा?

भारतीय कार्बन बाजार का संचालन अब भी शुरुआती चरण में है, लेकिन जमीनी कार्य तेजी से आकार ले रहा है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), जो आईसीएम के प्रशासक के रूप में कार्य करता है, वर्तमान में अनुपालन व्यवस्था में भाग लेने वाले उद्योगों के लिए क्षेत्र–विशिष्ट उत्सर्जन लक्ष्यों को अंतिम रूप दे रहा है। ये लक्ष्य भारत के एनडीसी के अनुरूप उत्सर्जन में कटौती हासिल करने की दिशा में कंपनियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण होंगे। साथ ही, बीईई एक आईसीएम पोर्टल विकसित करने पर भी काम कर रहा है, जो एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है और यह कार्बन क्रेडिट के सुचारू व्यापार को सक्षम करेगा। यह आईटी अवसंरचना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि कार्बन बाजार कुशलतापूर्वक चले और लेनदेन सभी प्रतिभागियों के लिए पारदर्शी और सुलभ हो। इसके अतिरिक्त, बीईई कार्बन क्रेडिट के व्यापार को नियंत्रित करने वाले नियमों को विकसित करने के लिए केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के साथ सहयोग कर रहा है, जिससे भारत के कार्बन बाजार के ढांचे को और मजबूत किया जा सके। भारतीय कार्बन बाजार एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करने के लिए तैयार है, जिससे पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ होगा। व्यवसायों को अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रेरित करने और सफल होने वालों को पुरस्कृत करके, बाजार हरित प्रौद्योगिकियों की ओर बदलाव में तेज़ी लाता है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि कंपनियां अपने जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों की दिशा में अधिक लागत प्रभावी तरीके से काम कर सकें। समय के साथ, जैसे–जैसे अधिक उद्योग भाग लेंगे, कार्बन बाजार व्यवसायों को कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देकर कार्बन उत्सर्जन में कटौती की लागत को कम करने में सहायता करेगा। यह व्यापार उन कंपनियों को सक्षम बनाता है जिन्हें अपने उत्सर्जन को कम करना चुनौतीपूर्ण या महंगा लगता है, ताकि वे पहले से ही स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने में अग्रणी लोगों से क्रेडिट खरीद सकें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुत्तरश ने कार्बन बाजारों के महत्व पर बल देते हुए कहा, "हमें कार्बन उत्सर्जन अंतर को कम करने की आवश्यकता है और कार्बन बाजार उस रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकते हैं, जो स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं में निवेश को प्रोत्साहन दे सकते हैं।" यह रेखांकित करता है कि कार्बन बाजार व्यवसायों और व्यक्तियों को उनके संचालन और प्रथाओं में सार्थक परिवर्तन में योगदान करने के लिए कैसे सशक्त बनाता है। एक बाज़ार बनाने से जहां कार्बन क्रेडिट का व्यापार किया जा सकता है, व्यवसायों के लिए हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने की लागत अधिक प्रबंधनीय हो जाती है। प्रत्येक कंपनी स्थायी परिचालन में परिवर्तन का पूरा खर्च वहन करने के बजाय, प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए धीरे–धीरे बदलाव ला सकती है। भारतीय कार्बन बाजार एक परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करता है, जिसमें वर्ष 2030 तक 15 अरब डॉलर का बाजार बनने की क्षमता है।

इससे नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकियों और कम कार्बन नवाचारों में महत्वपूर्ण निवेश होगा। कार्बन डाइऑक्साइड के तीसरे सबसे बड़े उत्सर्जक के रूप में, भारत का कार्बन बाजार वैश्विक उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे देश को वर्ष 2070 तक अपने महत्वाकांक्षी शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। यह दृष्टिकोण न केवल अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में भारत की यात्रा को तेज करता है बल्कि व्यवसाय डीकार्बोनाइजेशन के वित्तीय बोझ को कम करने में सहायता भी करता है। अंततः, भारतीय कार्बन बाज़ार भविष्य के लिए एक स्थायी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ समाधान का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे धरती और अर्थव्यवस्था, दोनों को लाभ होता है।

पूरी न्यायपालिका प्रभावित

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हलकी, अप्रासंगिक टिप्पणियों से ना सिर्फ जजों की नकारात्मक छवि बनती है, बल्कि पूरी न्यायपालिका प्रभावित होती है। स्वागतयोग्य है कि अब सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की छवि की रक्षा करने की पहल की है।इससे ज्यादा अफसोस की बात और क्या होगी कि सुप्रीम कोर्ट को उच्चतर न्यायपालिका के जजों को जुबान पर काबू रखने के लिए चेतावनी जारी करने पड़े! लेकिन ऐसी ही स्थिति हमारे सामने है। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज वी. श्रीशानंद की "सांप्रदायिक" एवं "स्त्री–द्रोही" टिप्पणियों से परेशान सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहल पर पांच जड्जों की बेंच बनाई। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली इस बेंच ने बुधवार को निर्णय दिया कि जस्टिस श्रीशानंद का बेंगलुरू के एक इलाके को 'पाकिस्तान' बताना सैंवैधानिक रूप से गलत है। साथ ही कोर्ट ने जजों के लिए आम चेतावनी जारी की। कहा कि वे ऐसी हलकी टिप्पणियां ना करें, जिनसे उनके सांप्रदायिक एवं स्त्री–द्रोही पूर्वाग्रह जाहिर होते हों। जस्टिस श्रीशानंद ने एक महिला अधिवक्ता को संबोधित करते हुए महिलाओं के लिए अपमानजनक बातें कही थीं। यह सुनना अजीब लगता है, लेकिन यह अफसोसनाक स्थिति आज की हकीकत है कि जज सामान्य विवेक को आहत करने वाली बातें कह डालते हैं। जजों को कैसे बोलना चाहिए, अगर यह सुप्रीम कोर्ट को बताना पड़ रहा है, तो न्यायपालिका आज किस हाल में है, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।सर्वोच्च न्यायालय ने कहा– मामले से असंबंधित स्त्री–द्रोही या पूर्वाग्रहयुक्त अन्य टिप्पणियां करने के बजाय जजों को अनिवार्य रूप से संविधान के उसूलों का पालन करना चाहिए।' वैसे यह सुप्रीम कोर्ट के लिए भी आत्म–मंथन का विषय है कि उसकी कॉलेजियम प्रणाली ऐसे व्यक्तियों को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में जज बनाने की सिफारिश कैसे कर डालती है, जो बाद में इस तरह की बातें कोर्ट रूम बोलते हैं? आखिर ऐसी टिप्पणी का यह कोई अकेला मामला नहीं है। हाल के वर्षों में जजों की ओर से संविधान की भावना के खिलाफ जाकर टिप्पणियां करने के मामले बढ़ते चले गए हैं। खुद सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हलकी, अप्रासंगिक टिप्पणियों से ना सिर्फ जजों की नकारात्मक छवि बनती है, बल्कि उससे पूरी न्यायपालिका पर खराब असर पड़ता है। स्वागतयोग्य है कि अब सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की छवि की रक्षा करने की जिम्मेदारी उठाई है।

भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र

मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स' शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है।वर्धमान ग्रुप के 82 वर्षीय चेयरमैन के साथ हुई घटना ने भारत में बढ़ते साइबर अपराध की ओर ध्यान खींचा है। चेयरमैन एसपी ओसवाल के साथ लगभग 6.9 करोड़ रुपये की ठगी हुई। ठगों ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट की नकली ऑनलाइन सुनवाई में बुलाया और जेल भेजने की धमकी देकर उनसे यह रकम ट्रांसफर करवा ली। हालांकि हाल में डिजिटल और ऑनलाइन धोखाधड़ी के अनगिनत मामले सामने आए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का नाटक कर ठगने की बात पहले कभी नहीं सुनी गई थी।ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई में एक व्यक्ति प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ बन कर पेश हुआ। इसी दौरान उनसे कहा गया कि जांच के हिस्से के रूप में वे 6.9 करोड़ रुपये एक खाते में जमा करा दें। कुछ समय पहले भारत सरकार ने साइबर अपराधों के बारे में चेतावनी जारी की थी। गृह मंत्रालय ने कहा था कि संभव है ऐसी घटनाओं को सीमा पार स्थित आपराधिक गिरोह अंजाम दे रहे हों। एनसीआरबी के मुताबिक 2021 में भारत में साइबर अपराध के 52,974 मामले दर्ज हुए। 2022 में इनमें लगभग 24 फीसदी बढ़ोतरी हुई और कुल 65,893 मामले दर्ज हुए।

ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग के शोधकर्ताओं ने इसी साल दुनिया का पहला साइबर क्राइम इंडेक्स जारी किया। उसमें भारत को खास जगह मिली। 'मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स' शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है।

मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा मेरी जान की रिलीज आगे खिसकी

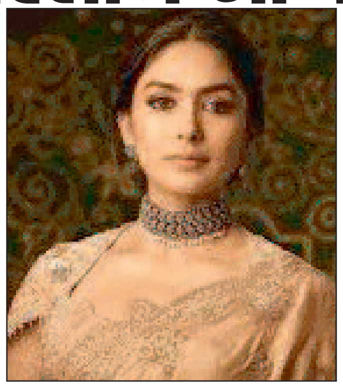

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पूजा मेरी जान को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में हुमा कुरैशी और विजय राज भी नजर आएंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान नवजोत गुलाटी ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं।दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब आपको फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा मेरी जानी नवंबर, 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी। निर्माताओं ने यह फैसला छावा की वजह से लिया है, जो 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म की निर्माण भी विजान कर रहे हैं।विजान दोनों फिल्मों पर एक साथ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने पूजा मेरी जानी की रिलीज को आगे खिसका दिया है। पूजा मेरी जान की शूटिंग खत्म हो चुकी है। यह फिल्म अपने पोस्ट–प्रोडक्शन पर है।विक्रम सिंह चौहान, राजेश जैस, निखिल अंगरीश और चैतन्य व्यास जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।विजान इस फिल्म का निर्माण अम कौशिक, आनंद मिश्रा, संजीव मिश्रा और योगीराज शेट्टी के साथ मिलकर कर रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट की जिगरा की हालत पस्त

अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता वेदांग रैना की फिल्म जिगरा से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह टिकट खिडक़ी पर अपना जादू चलाने में नाकाम साबित हुई है।हर गुजरते दिन के साथ इस फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है।अब जिगरा की कमाई के चौथे दिन का आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह अब तक का सबसे कम कारोबार भी है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 18.10 करोड़ रुपये हो गया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम 46 रन पर ऑलआउट

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच पहला टेस्ट बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। पहले दिन बारिश के कारण 1 भी गेंद का खेल नहीं हो पाया था।दूसरे दिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और पूरी टीम 46 रन पर ऑलआउट हो गई।यह भारतीय सरजमीं पर टीम का टेस्ट क्रिकेट में सबसे छोटा स्कोर है। आइए भारतीय पारी पर नजर डाल लेते हैं। इस पारी से पहले भारतीय टीम का घरेलू सरजमीं पर सबसे छोटा स्कोर 75 रन था। साल 1987 में भारतीय टीम वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ 75 रन पर ऑलआउट हो गई थी। वह मुकाबला दिल्ली में खेला गया था।इसके अलावा साल 2007/8 में भारत दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ 76 रन पर ऑलआउट हुई थी। वह मुकाबला अहमदाबाद में हुआ था।पहली बार भारतीय टीम अपनी घरेलू सरजमीं पर 50 से कम स्कोर पर ऑलआउट हुई है। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत का यह तीसरा सबसे छोटा स्कोर है। भारतीय टीम साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 36 रन पर ऑलआउट हो गई थी।इंग्लैंड के खिलाफ साल 1974 में टीम 42 रन पर पवेलियन लौट गई थी। पहला मुकाबला एडिलेड और दूसरा मुकाबला लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया था।यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ तीसरा मौका है जब भारतीय टीम 50 से कम स्कोर पर ऑलआउट हुई है। भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ा स्कोर ऋषभ पंत (20) ने बनाया। विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन अपना खाता भी नहीं खोल पाए।न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 5 विकेट और विलियम ओ'रूर्के ने 4 विकेट लिए। टिम साउथी के खाते में 1 विकेट आया। टीम ने स्पिन गेंदबाजों का प्रयोग नहीं किया।कप्तान रोहित शर्मा (2) के रूप में टीम को पहला झटका लगा। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। न्यूजीलैंड के लिए हेनरी ने 13.2 ओवर गेंदबाजी की और 3 मेडन ओवर के साथ 15 रन खर्च कर 5 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 1.10 की रही।हेनरी ने इस घातक गेंदबाजी के साथ टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। एशिया में यह पहला मौका है जब हेनरी ने 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं।भारतीय टीम के खिलाफ भी हेनरी ने टेस्ट में पहली बार 5 विकेट हॉल लिए हैं।

निखिल सिद्धार्थ स्टारर अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो का फर्स्ट लुक जारी

कार्तिकेय 2 से देशभर में लोकप्रियता हासिल करने वाले निखिल फिलहाल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अभिनेता निखिल, जो लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं, और बहुमुखी निर्देशक सुधीर वर्मा, जो अपनी विभिन्न फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, के साथ एक एक्शन एंटरटेनर का निर्माण किया जा रहा है। इस दिलचस्प जोड़ी ने पहले ब्लॉकबस्टर फिल्मों स्वामी रारा और केशव में साथ काम किया था।

प्रमुख प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा एलएलपी इस प्रोजेक्ट को अपनी 32वीं फिल्म के रूप में प्रोड्यूस कर रहा है। इसे वरिष्ठ और बेबाक निर्माता बीवीएसएन प्रसाद द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, जिन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। आज, फिल्म का पहला लुक और उसका दिलचस्प शीर्षक सामने आया। फिल्म का नाम अप्पुडो इप्पुडो इप्पुडो रखा गया है, जिसमें एक दिलचस्प कार तत्व है जो जिज्ञासा बढ़ाता है।

पहली झलक में निखिल और रुक्मिणी वसंत टहलते हुए नज़र आ रहे हैं। निखिल स्टाइलिश अवतार में आकर्षक लग रहे हैं, जबकि रुक्मिणी वसंत अपनी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर रही हैं। पहली झलक प्रभावशाली है और एक मनोरंजक अनुभव का वादा करती है। ब्लॉकबस्टर स्वामी रारा की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को रोमांचित और गुदगुदाने के लिए वापस आ गई है। इस रोमांचक सहयोग से उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं क्योंकि उनका लक्ष्य अप्पुडो इप्पुडो इप्पुडो के साथ हैट्रिक बनाना है।

कन्नड़ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत, जिन्होंने अच्छी लोकप्रियता हासिल की है, इस फ़िल्म से अपना तेलुगु डेब्यू कर रही हैं। खूबसूरत दिव्यांशा कौशिक ने एक प्रमुख भूमिका निभाई है, साथ ही हर्षा चेमुडु भी एक प्रमुख भूमिका में हैं। योगेश सुधाकर, सुनील शाह और राजा सुब्रमण्यम फ़िल्म का सह–निर्माण कर रहे हैं।

स्मिथ, स्टार्क न्यू साउथ वेल्स टीम में शामिल, तीन साल बाद शेफील्ड शील्ड मैच खेलेंगे

सिडनी, ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट स्टार स्टीवन स्मिथ और मिचेल स्टार्क तीन साल से अधिक समय में अपना पहला शेफील्ड शील्ड मैच खेलेंगे। दोनों को रविवार को एमसीजी में विक्टोरिया के खिलाफ 2024/25 शेफील्ड शील्ड के दूसरे दौर के लिए 13 खिलाड़ियों वाली न्यू साउथ वेल्स टीम में शामिल किया गया है। स्टीव स्मिथ और स्टार्क, नाथन लियोन के साथ टीम में शामिल होंगे, जिसमें विश्व कप विजेता सीन एबॉट और पूर्व टेस्ट तेज गेंदबाज जैक्सन बर्ड भी शामिल हैं। मोइसेस हेनरिक्स टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें जोश फिलिप, ओली डेविस और सैम कोंस्टास भी शामिल हैं। स्टार्क ने आखिरी बार 20/21 सीजन के फाइनल में एनएसडब्लू के लिए शील्ड खेला था, जहां टीम क्वींसलैंड से हार गई थी, जबकि स्मिथ ने आखिरी बार 19/20 गर्मियों में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में राज्य का प्रतिनिधित्व किया था।

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड: साजिद खान ने पारी में झटके 7 विकेट

नईदिल्ली, पाकिस्तान क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच दूसरे टेस्ट मैच में साजिद खान ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हॉल (कुल 7 विकेट) लिए हैं।यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा 5 विकेट हॉल है। इंग्लैंड के खिलाफ साजिद ने पहली बार 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।पहले टेस्ट में वह टीम का हिस्सा नहीं थे। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने बल्लेबाज पूरी तरह से असफल रहे।उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं।साजिद साल 2000 के बाद पहले ऐसे पाकिस्तान के ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं, जिन्होंने अपनी घरेलू सरजमीं पर 5 विकेट हॉल लिया है। इससे पहले सकलैन मुश्ताक ने यह कारनामा किया था। साजिद जनवरी 2024 के बाद पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं।साजिद ने मैच में 26.2 ओवर गेंदबाजी की और 1 मेडन ओवर के साथ 111 रन देकर 7 विकेट झटके।उन्होंने बेन डकेट (114), ओली पोप (29), जो रूट (34), हैरी ब्रूक (9), ब्रायडन कार्से (4) मैथ्यू पॉट्स (6) और शोएब बशीर (9) को अपना शिकार बनाया।नोमान अली ने भी साजिद का अच्छा साथ निभाया और 3 विकेट अपने नाम किए।डकेट को छोडक़र और कोई भी बल्लेबाज इंग्लैंड के लिए बड़ी पारी नहीं खेल पाया। साजिद ने मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में एक पारी के दौरान सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया है। उन्होंने अबरार अहमद का रिकॉर्ड तोड़ा है। अबरार ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 114 रन देकर 7 विकेट लिए थे। साजिद ने 111 रन देकर 7 विकेट लिए हैं।साजिद ने पहला टेस्ट साल 2021 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने 9 मुकाबले खेले हैं और 16 पारियों में लगभग 34 की औसत से 32 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं।1 मुकाबले में साजिद ने दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट भी लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8/42 का रहा है। उनके ये आंकड़े बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ आए थे।इंग्लैंड के खिलाफ साजिद पहला टेस्ट खेल रहे हैं।पाकिस्तान ने पहली पारी में 366 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड 291 रन पर ऑलआउट हो गई।पाकिस्तान को 75 रन की बढ़त ले ली है।

एक नजर

19 से शुरू होगी रन भुला-रन भुली दौड़

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शहर से सटे रावत गांव में 19 और 20 अक्तूबर को रन भुला-रन भुली दौड़ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आस-पास के 13 गांवों के करीब 350 से अधिक ग्रामीण भाग लेंगे। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि विजेताओं को इनाम और धनराशि से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में चिकित्सा शिविर के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच भी की जाएगी। त्रियंबक फाउंडेशन के संस्थापक गोर्की चंदोला, सदस्य गौरव चंदोला ने इसकी जानकारी दी है।

जिला पंचायत सदस्यों ने छः सूत्रीय मांगों को लेकर दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गुरुवार को भी जिला पंचायत सदस्य अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे। आरोप लगाया कि सरकार से मिले बजट में वित्तीय अनियमितताएं भी की जा रही है। जिला पंचायत सदस्यों ने उक्त मांगों पर अविलंब कदम नहीं उठाने पर आंदोलन को और तेज करने के भी चेतावनी दी है। कहा कि अभियंता और कार्यधिकारी के पद पर नियमित अफसरों को तैनात किया जाना चाहिए।जिला पंचायत की कार्य प्रणाली से नाराज जिला पंचायत सदस्यों का कहना है कि इस धरने से बीजेपी और कांग्रेस का कोई लेना देना नहीं है। धरना देने वालों में एक बीजेपी जिला पंचायत सदस्य के साथ ही कांग्रेस और निर्दलीय चुनाव लड़े सदस्य भी शामिल है। धरने पर बैठे जिला पंचायत सदस्यों ने कहा कि बीते दो सालों से तिमाही बैठक का भी आयोजन नहीं हो पाया है। इन जिला पंचायत सदस्यों ने मौजूदा और बीते वित्तीय वर्ष के केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए बजट का शासनादेश और बजट को किन जिला पंचायत क्षेत्रों में दिया गया, उसकी भी जानकारी देने की मांग जिला पंचायत प्रशासन से की है। धरने पर बैठे एवं बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़े थैर सीट के सदस्य गौरव रावत ने कहा कि जिला पंचायत सदस्यों का यह आंदोलन किसी भी तरह से राजनीतिक नहीं है। अभी तक के कार्यकाल में जिला पंचायत सदस्यों की जो उपेक्षा की जा रही है, इससे सदस्यों में जिला पंचायत को लेकर नाराजगी है। धरने पर बैठने वालों में कुलदीप सिंह, मुकेश बिष्ट, अजीत सिंह बिष्ट, कुलभूषण, सीमा सजवाण, वींरेंद्र रावत, कैलाश चंद्र शामिल रहे।

हुडदंग करने पर 13 लोगों के काटे चालान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : एसएसपी के निर्देश पर जिले भर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि बीते बुधवार को कोतवाली कोटद्वार पुलिस टीम द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करने वाले 10 व्यक्तियों और कोतवाली पौड़ी पुलिस टीम द्वारा 3 व्यक्तियों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

संस्कृत नाटक में आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड दुगड्डा की दो दिवसीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिताओं का रंगारंग कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। इस दौरान संस्कृत नाटक में आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार प्रथम स्थान पर रहा। कार्यक्रम में डॉ. अरुणिमा मिश्रा ने कहा कि छात्र-छात्राओं का संस्कृत प्रेम देखकर के सभी लोग संस्कृत को सीखने को प्रेरित हुए। दो दिन के हुए कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत में नृत्य, गीत, नाटक और भाषण प्रस्तुत किये। यह सांस्कृतिक झलक पुराने संस्कृति एवं संस्कृति की सभ्यता की पहचान दिला रहा है कि भारतवर्ष में आज भी कोई भी व्यक्ति संस्कृत में साधारण रूप से बोल भी सकता है और उसमें कार्यक्रम प्रस्तुत भी कर सकता है। हम जहां भी जाएं जिस विषय के क्षेत्र में हम कल नौकरी पे हो तो भी हम संस्कृत से वंचित न हो, अभी तो अपने जीवन में संस्कृति, संस्कार और संस्कृति को जरूर अपनाएं, क्योंकि विश्व भर में यह हमारी प्रतिष्ठा को बनाएं रखना है। संस्कृत भाषा के कारण ही हमारा भारत आज विश्व गुरु कहलाता है। डॉ. मनोरथ प्रसाद नौगांई ने कहा कि कालिदास ने जो कण्वाश्रम का साहित्य नाटक के रूप में विश्व भर को दिया, वह आज भी प्रसिद्ध नाटककारों की श्रेणी में सबसे आगे है और इस नाटक को लिखने के कारण संस्कृत साहित्य के कवियों ने उनको प्रथम स्थान दिया। इसी कणवनगरी में दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र भरत का जन्म हुआ जिस भरत के नाम से पूरे भारतवर्ष का नाम पड़ा। आज इस कण्वनगरी की पूरी ख्याति विश्व भर में है इस मालिनी के तट पर आज भी हमने संस्कृत का यह कार्यक्रम किया, जिससे पुरानी संस्कृति हमारी जीवन्त हो उठी। शैलेश मटियानी पुरस्कार से पुरस्कृत डॉ. मंजू कपरवाण ने अपने विचार में कहा कि संस्कृत हमारी धरोहर है इसी से सभी भाषाओं का जन्म हुआ है यह भाषा विज्ञान के लिए, कंप्यूटर के लिए विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न विषयों के लिए मार्गदर्शन की भूमिका में रही है। विज्ञान आज भी संस्कृत की ओर अग्रसर हो रहा है, क्योंकि संस्कृत में अंतरिक्ष से जुड़ी हुई ब्रह्मांड तक की रहस्यमयी जानकारी है। समापन कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. महावीर सिंह बिष्ट ने कहा कि छात्र-छात्राओं ने बहुत कम समय में संस्कृत जैसे विषय को स्वीकार करके अच्छी प्रस्तुतियां प्रदान की इससे लगता है संस्कृत बहुत ही सरल भाषा है, जिसमें हम सभी बातचीत कर सकते हैं। इस दौरान खंड स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में प्रथम दिवस पर संस्कृत नाटक में आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कणवघाटी ने द्वितीय स्थान एवं शांति इंटरनेशनल स्कूल दुर्गापुरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं संस्कृत समूह गान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दुगड्डा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कण्वघाटी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, तृतीय स्थान के रूप में डीएवी पब्लिक स्कूल कोटद्वार रहा, संस्कृत समूह नृत्य में टी.सी.जी. पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा महर्षि कण्व विद्या निकेतन कण्वघाटी कोटद्वार ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर कोटद्वार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत वाद विवाद में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया व आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, तृतीय स्थान पर अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कण्वघाटी रहा। संस्कृत आशु भाषण में परमार्थ वैदिक गुरुकुल कण्वाश्रम प्रथम स्थान पर एवं आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार द्वितीय स्थान पर रहा तो वहीं राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय सिम्बलचौड तृतीय स्थान पर रहा। श्लोक उच्चारण में टीसीजी पब्लिक स्कूल कोटद्वार प्रथम स्थान पर रहा तथा परमार्थ वैदिक गुरुकुल कण्वाश्रम द्वितीय स्थान पर एवं महर्षि कण्व विद्या निकेतन तृतीय स्थान पर रहा। इस मौके पर डॉ. रमाकांत कुकरेती, श्रीमती बबीता, डॉ. मंजू कपरवाण, के.वी.शास्त्री, सिद्धार्थ कोटनाला, श्रीमती अर्चना आदि अन्य शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया।

आयोजित प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित करते सदस्य

भुलाया नहीं जा सकता स्व. जयानंद भारतीय का योगदान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जयानंद भारतीय की 144वीं जयंती पर प्रखंड बीरोंखाल के अंतर्गत पंचरी के अरकंडई गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने कहा कि समाज सेवा में दिया गया स्व. जयानंद भारतीय का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने जयानंद भारतीय को महान स्वतंत्रता सेनानी बताया। कहा कि वे जीवन पर्यंत समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ हिमालयन विश्वविद्यालय पोखड़ा के प्राचार्य डा. संजय विश्वेश्वर ने किया। उन्होंने जयानंद भारतीय को महान स्वतंत्रता सेनानी बताया। कहा कि वे उच्चकोटि के समाज सेवक भी रहे है, उन्होंने समाज में फैली छुआछूत व डोला पालकी जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में भी जयानंद भारतीय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण उन्हें छः साल से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ा। कार्यक्रम में राजनीति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ब्लाक प्रमुख प्रीति, शिक्षा के क्षेत्र में विनोद भूषण, साहित्य के क्षेत्र में विकास आर्य व शिवदयाल को जयानंद भारतीय गौरव पुरष्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुरेंद्र कांबोज, डा. धर्मशास्त्री, भोपाल सिंह आर्य, धीरज सिंह, आलम सिंह रावत, सुशील कुमार मौजूद रहे।

जयानंद भारतीय की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती महिलाएं

श्लोक उच्चारण में राजकीय इंटर कॉलेज धुमाकोट रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नैनीडांडा प्रखंड के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज पीपली में संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान श्लोक प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज धुमाकोट ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी आनंद सिंह बिष्ट ने किया। वक्ताओं ने संस्कृत को वैज्ञानिक व आचरण की दृष्टि से सर्वोत्तम भाषा बताया। कार्यक्रम के खंड संयोजक डा. देवेंद्र पोखरियाल ने छात्रों को संस्कृत भाषा के ज्ञान व प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत श्लोकोच्चार प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज धुमाकोट ने अव्वल रहा। समूहगान प्रतियोगिता में इंटर कालेज पीपली, इंटर कालेज धुमाकोट, कनिष्ठ वर्ग की नृत्य प्रतियोगिता में इंटर कालेज कोचियार, इंटर कालेज पीपली प्रथम, द्वितीय रहा। वहीं, उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी हरिद्वार द्वारा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित एकेश्वर ब्लॉक की खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल में पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हो गई। समारोह का उदघाटन मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी व जिला पंचायत सदस्य सीमा सजवाण द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने सम्बोधन में नीरज पांथरी ने कहा कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है, राज्य सरकार द्वारा संस्कृत भाषा को द्वितीय भाषा का दर्जा दिया गया है, इस भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु इस प्रकार के आयोजन होना एक सराहनीय कदम है। कनिष्ठ वर्ग की नाटक प्रतियोगिता में राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय सिमारखाल प्रथम, इंटर कालेज कमलपुर द्वितीय व इंटर कालेज इंदिरापुरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूहगान व संस्कृत नृत्य में इंटर कालेज कमलपुर का दबदबा देखने को मिला। ब्लाक प्रमुख नीरज पांथर ने अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज महोदय, कोटद्वार (गढ़वाल)

दी0वा0सं0 56 सन् 2024

प्रार्थी/वादी - अनसुया प्रसाद कण्डवाल पुत्र स्व0 सुरेश कुमार कण्डवाल, उम्र 61 वर्ष, निवासी ग्राम बड़ेथ, पट्टी-लंगूर पल्ला-1, डाकघर काण्डाखाल, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, हाल निवासी लालपुर, पट्टी-सुखरौ, तहसील-कोटद्वार, जिला-पौड़ी गढ़वाल।

एवम्

प्रतिवादी- 1. श्री ज्योति प्रसाद उम्र 50 वर्ष पुत्र स्व0 सुरेश कुमार कण्डवाल, निवासी ग्राम बड़ेथ, पट्टी-लंगूर पल्ला-1, डाकघर काण्डाखाल, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

2. ग्राम सभा बड़ेथ द्वारा प्रधान ग्रामसभा बड़ेथ, डाकघर काण्डाखाल, तहसील-कोटद्वार, जिला-पौड़ी गढ़वाल।

3. राजस्व उपनिरीक्षक ग्राम बड़ेथ डाकघर काण्डाखाल, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

4. आम जनता।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वादी ने अपने छोटे भाई प्रदीप कुमार जिसकी मृत्यु सन् 2017 में हो गई है कि पत्नी आनन्दी देवी ग्राम बड़ेथ, पट्टी-लंगूर पल्ला-1, तहसील कोटद्वार के दिनांक 30-07-2017 से लापता होने से आज तक किसी भी रिश्तेदार को जीवित अथवा मृत्यु होने के सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए इस प्रकाशन द्वारा जनता को सूचित किया जाता है कि आनन्दी देवी को मृतक घोषित करने बावत् वादी ने जो वाद मेरे न्यायालय में दायर किया है यदि किसी व्यक्ति को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति करनी हो तो वह दिनांक 04-10-2024 को समय 1:00 बजे सुबह न्यायालय में दर्ज करा सकता है अन्यथा वाद में अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। आज दिनांक 03-09-2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर से जारी किया गया है।

सिविल जज
कोटद्वार (गढ़वाल)
(0427/11)

विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के प्रति किया जागरूक

फतेहपुर के प्राइमरी स्कूल में आयोजित कार्यशाला में भ्रष्टाचार के खिलाफ शपथ दिलवाते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : फतेहपुर के प्राइमरी स्कूल में भारतीय इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड की ओर से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक किया गया। कहा कि देश की तरक्की में भ्रष्टाचार सबसे बड़ी बाधा है। इसलिए इसके खिलाफ हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। दुगड्डा के फतेहपुर स्थित प्राइमरी स्कूल में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना से किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी। बीईएल के महाप्रबंधक अंबरीष त्रिपाठी ने कहा कि देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना होगा। देश की तरक्की में भ्रष्टाचार ही सबसे बड़ी बाधा है। प्रधानाचार्य बीना डोबरियाल ने कहा कि हमें कार्यशाला में मिलने वाली जानकारी को अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को पेन व कापी भी वितरित की गई। साथ ही विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस मौके पर सीडीजीएम प्रदीप चौरसिया, प्रवीन आर्य, हर्ष कुमार, सुनीता कोटनाला, मदीना बेगम, बीना डोबरियाल, इंदू गौड़, अंकिता, प्रदीप बड़ोला आदि मौजूद रहे।

योग से स्वस्थ रहने के सिखाए गुर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौडिया स्थित रामनगर कालोनी में भारत स्वाभिमान न्यास की तरफ से सात दिवसीय निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया है। जिसमें योग साधकों ने लोगों को अनलोम-विलोम, कपालभाति, ताड़ासन सहित विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म व्यायामों का अभ्यास करवाया। भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमित सजवाण ने बताया कि सर्दियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए योगाभ्यास जरूरी है। उन्होंने कहा कि सात दिनों तक योगाभ्यास व व्यायाम की कक्षाएं निरंतर चलती रहेगी। इस मौके पर भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी दिनेश जुयाल, राजीव गुप्ता, जितेंद्र काला, इंद्र मोहन मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमने समिति का नाम समर्पण सेवा समिति पता-पदमपुर,सुखरो, कोटद्वार, पिन कोड–246149, पौड़ी गढ़वाल रखा है। यदि किसी को भी समिति के नाम और पते से आपत्ति है तो इस प्रकाशन के 10 दिन के अंदर उप निबंधक फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स कार्यालय पौड़ी में आपत्ति दर्ज करें।

सचिव
सचिन नेगी
(0430/21)

करियर काउसलिंग में बताएं जीवन में आगे बढ़ने के गुर

आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते विशेषज्ञ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल के भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय में आयोजित करियर काउंसलिंग में विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के गुर सिखाए गए। कहा कि जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने वाले विद्यार्थी को अवश्य सफलता मिलती है।

नांदी फाउंडेशन देहरादून की ओर से महाविद्यालय में छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। चौथे दिन की कार्यशाला का शुभारंभ काउंसलिंग के नोडल अधिकारी डा. महेश चंद्र आर्या ने किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। एक बार लक्ष्य तक कर लिया तो दोबारा पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर नौकरी पाने के तरीके भी बताएं। कहा कि वर्तमान में युवा स्वरोजगार से जुड़कर भी अपनी आर्थिकी को मजबूत कर सकते हैं। इस मौके पर काउंसलिंग परामर्श समिति के अधिकारी नवीन थपलियाल आदि मौजूद रहे।

स्पीड़ ब्रेकर बनवाने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : खंड रिखणीखाल के अन्तर्गत निर्माणाधीन डामरीकरण के तहत् दियोड़-गाड़ियूं-पाणीसैंण-मैंदणीसारी मोटर मार्ग पर बरसात के बाद पुनः कार्य चल रहा है। जहां जगह-जगह सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी वहीं गांवों के बीच से गुजर रही सड़क पर पानी का तेज बहाव व स्कूली बच्चों, ग्रामीणों के पैदल आवागमन में मुश्किल बन रहा है। ग्रामीणों ने मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है।

जनसुरक्षा तथा वाहन चालकों, यात्रियों की संयमित गति के मध्येनजर दियोड़, गाड़ियूं तथा पाणीसैंण के बीच में स्पीड ब्रेकर (गत्यावरोधक) बनवाने हेतु क्षेत्र पंचायत सदस्य कर्तिया बिनीता ध्यानी द्वारा अधिशासी अभियंता लैंसडौन को पत्र लिखकर निर्मित करने का आग्रह किया है। बिनीता ध्यानी का कहना है कि गांवों के बीच से गुजर रही इस सड़क पर पशुधन, ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूली छात्रों की आवाजाही बहुतायत में रहती है। पहले सड़क कच्ची थी तो सभी वाहन कम गति में चालित होते रहे, लेकिन डामरीकरण होने पर दुपहिया वाहनों तथा अन्य वाहनों की तीव्रता जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती है, जिस हेतु संवेदनशील क्षेत्रों में गत्यावरोधकों का लगवाया जाना नितांत आवश्यक है।

आरपी पब्लिक स्कूल ने मदरलैंड को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आरपी पब्लिक स्कूल में राजबाला शर्मा अंतरविद्यालयी बालिका वालीबाल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में आरपी पब्लिक स्कूल ने मदरलैंड पब्लिक स्कूल को परास्त किया। दो दिवसीय वालीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ फुटबाल के राष्ट्रीय कोच सुनील रावत व विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला आरपी पब्लिक स्कूल व मदरलैंड पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें मेजबान आरपी पब्लिक स्कूल ने 2-0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। आज खेले गए अन्य मुकाबलों में श्री गुरूराम राय पब्लिक स्कूल, एमकेवीएन, स्कालर्स एकेडमी, नवयुग पब्लिक स्कूल, एमवीएम, डेफोडिल पब्लिक स्कूल व डीएवी पब्लिक स्कूल ने प्रतिद्वंद्वी टीमों को परास्त कर अगले दौर में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता में क्षेत्र के 17 विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक वीपी शर्मा, गीतांजलि पांडे सहित विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली टीम

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 4027/18ए0सी0 दिनांकः- 14/10/2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 28/09/2024 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 19/10/2024 से 26/10/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 28/10/2024 को अपरान्ह 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :-

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर के विकास खण्ड यमकेश्वर में मोहन चट्टी से कुमार्था तक 03 कि0मी0 मोटर मार्ग का निर्माण कार्य 01 नं0 स्टील गर्डर सेतु सहित, हेतु सर्वेक्षण, मृदा परीक्षण, डिजाइन, ड्राईंग, डी0पी0आर0 गठन (टी0ओ0आर0 के अनुसार) एवं आई0आई0टी0 से वैट का कार्य।	44,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	04 माह	कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड, लो0नि0वि0 देहरादून में
2	मा0 मुख्यमंत्री घोषणा संख्या-238/2024 के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के ब्लॉक दुगड्डा के अन्तर्गत कोटद्वार में स्थित गबर सिंह कैम्प में 25 मीटर स्पान आर0सी0सी0 सेतु निर्माण, हेतु सर्वेक्षण, मृदा परीक्षण, डिजाइन, ड्राईंग, डी0पी0आर0 गठन (टी0ओ0आर0 के अनुसार) एवं आई0आई0टी0 से वैट का कार्य।	12,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	03 माह	सेतु कार्य हेतु सूचीबद्ध एमपैनल्ड परामर्शी संस्थायें।
3	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर के विकासखण्ड द्वारीखाल के अन्तर्गत राजबाट से रिंगवाड़गांव मोटर मार्ग के कि0मी0 1 में गदेरा पर सेतु का निर्माण कार्य हेतु सर्वेक्षण, मृदा परीक्षण, डिजाइन, ड्राईंग, डी0पी0आर0 गठन (टी0ओ0आर0 के अनुसार) एवं आई0आई0टी0 से वैट का कार्य।	17,500.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	03 माह	

निविदा दिनांक 29/10/2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)
(0504/57)

एक नजर

सारी–गौचर के बीच अलकनंदा नदी पर बनेगा मोटर पुल

रुद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग विधानसभा में राज्य योजना के तहत अलकनंदा नदी पर सारी-गौचर के बीच डबल लेन क्लास ए लोडिंग 95 मीटर स्पान स्टील गार्डर मोटर पुल का निर्माण होगा। 2.5 किमी. पहुंच मार्ग के प्रथम की शासन की ओर से वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान हुई है। इस मौके पर रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि लम्बे समय से क्षेत्र वासियों की इस मोटर पुल की मांग अब पुल के प्रथम चरण की स्वीकृति प्रदान हुई है। इसके लिए उन्होंने सभी क्षेत्र वासियों को बधाई दी है साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और लोक निर्माण विभाग के मंत्री सतपाल महाराज का धन्यवाद ज्ञापित किया है। लम्बे समय से पुल की मांग थी। पुल के निर्माण होने से एक तल्लानागपुर क्षेत्र की बड़ी आबादी बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेगी। इसका लाभ क्षेत्र की बड़ी आबादी को मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में आज सभी क्षेत्रों में कार्य हो रहा है, आने वाले समय जनपद में और भी बड़ी योजनाएं पर कार्य होगा। (एजेंसी)

सारी गांव से मक्कूमठ को विदा की गई नंदा देवी

रुद्रप्रयाग : नंदा देवी अपने मायके सारी से मक्कूमठ ससुराल को विदा कर दी गई है। इस मौके पर ग्रामीण भावुक हो गए। पूजा-अर्चना के बाद मां को ससुराल विदा किया गया। गुरुवार सुबह गांव में सभी भक्त एकत्रित हुए। जहां नंदा देवी की पूजा-अर्चना की गई। नंदा देवी को खीर का भोग लगाया गया। उसके बाद नंदा देवी को उसके पूजा स्थल मक्कूमठ के लिए वाद्य यंत्रों की धुनों और भक्तों के जयकारों के साथ विदा किया गया। देवी की विदाई में मौजूद धियाणियों, बुजुर्ग और महिलाओं ने नंदा देवी का फूल मालाओं, अक्षत चढ़ाकर विदा किया गया। ग्रामीण इस क्षण पर भावुक हो गए। नंदा देवी मूर्ति को एक पोटली में बांध कर पीठ में रखकर गाजे बाजे के साथ मक्कूमठ तक भेजा गया। सारी को नंदा का मायका और मक्कू को ससुराल माना जाता है। जिस तरह एक बेटी को ससुराल के लिए विदाई दी जाती है उसी तरह नंदा देवी को भी ग्रामीणों द्वारा विदाई दी गई। यह परंपरा प्राचीनकाल से चली आ रही है। पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी मक्कूमठ से अष्टमी के पर्व पर भक्तों ने नंदा देवी की मूर्ति को बाहर निकाला। इसके बाद अगले दिन यानि नवमी को मूर्ति कांडा, कांडा से हड्डू, हड्डू से उखाडा, उखाडा से दैडा और यहां से मंगलवार देर शाम को सारी गांव पहुंची। इस मौके पर सरपंच मुरली सिंह, नंदा देवी के पश्वा अंकित नेगी, मेला कमेटी सचिव उपेन्द्र भट्ट, कोषाध्यक्ष गजपाल भट्ट, सह सचिव एवं युमंद अध्यक्ष धर्मेंद्र भट्ट, देवेन्द्र नेगी, हनुमंत सिंह, दिलवर पहाड़ी, नर्मदा देवी, गुड्डी देवी सहित महिलाए, बच्चे, बुजुर्ग, धियाणियां मौजूद थी। (एजेंसी)

विस्थापितों ने बढ़ी दरों पर मुआवजा देने की मांग

नई टिहरी : पुराने शहर के मूल बांध विस्थापितों ने बढ़ी दरों पर मुआवजा भुगतान करने की मांग की। उन्होंने टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह को दिए ज्ञापन में बताया कि पुरानी टिहरी शहर के वार्ड एक से छह में निवासरत परिवारों को पांच रुपये पर वर्ग फीट से मुआवजा दिया गया। जबकि वार्ड से सात से 12 तक के परिवारों को 30 रुपये पर वर्गफीट से मुआवजा दिया गया। पुराने शहर के विस्थापित ठाकुर भवानी प्रताप, आनंद प्रकाश घिल्डियाल, अबरार अहमद, विजय सिंह परमार ने बताया कि जब उन्हें प्रतिकर भुगतान किया गया तो इस दौरान सर्किल रेट बहुत कम थे। लेकिन इसके तुरंत बाद सरकार ने पुनर्वास नीति में बदलाव कर रेट बढ़ा दिए। कहा कि वार्ड एक से छह तक विस्थापित वर्षों से उन्हें भी बढ़ी दरों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा है। जिस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सांसद से उनकी समस्याओं का निराकरण करने की मांग की। (एजेंसी)

वाल्मीकि जयंती पर निकाली शोभायात्रा

चमोली : जोशीमठ में गुरुवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती को धूमधाम से मनाया गया। वाल्मीकि समुदाय के लोगों ने नगर के गांधीनगर में स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद शोभा यात्रा प्रारंभ की जो लोअर बाजार से होते हुए मुख्य बाजार तक पहुंची। शोभा यात्रा में शामिल युवाओं ने जगह-जगह विविध प्रकार के करतब दिखाकर सभी का मन मोहा। महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा ने नगर में लगभग 6 किमी की दूरी तय की।

आरपी स्कूल ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : 11वीं शहीद मुकेश बिष्ट इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में जनता इंटर कॉलेज मिनी स्टेडियम मोटाढाक कोटद्वार में गुरूवार को फाइनल मुकाबला आरपी पब्लिक स्कूल तेलीपाड़ा बनाम हेरिटेज अकेडमी गाड़ीघाट के मध्य खेला गया। फाइनल मुकाबला 1-0 से जीतकर आरपी पब्लिक स्कूल ने प्रतियोगिता अपने नाम की। मुख्य अतिथि कुंवर अजय सिंह व अजीत सिंह ने दोनों टीमो के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया। मध्यांतर तक खेल 0-0 की बराबरी पर रहा। दूसरे हाफ के 52वें मिनट हैरिटेज अकेडमी के डिफेंस की गलती से पेनाल्टी बॉक्स में हुए हैंड से आरपी पब्लिक स्कूल को पेनाल्टी मिली। पेनल्टी को आरपी पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी अर्पित नेगी ने गोल में तब्दील किया। इस प्रकार आरपी की टीम ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली, बचे टाइम में हैरिटेज अकेडमी ने गोल उतारने की भरसक कोशिश की गयी अंतिम समय मैच समाप्ति तक स्कोर 1-0 बना रहा। इस प्रकार आरपी पब्लिक स्कूल ने 11वीं मुकेश बिष्ट प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के पुरुस्कार वितरण के आयोजन के मुख्य अथिति कमांडेंट जीआरआरआरसी लैंसडौन के ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने दीप प्रज्वलित कर शहीद मुकेश बिष्ट के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। टूर्नामेंट में आदित्य तिवारी को गोल्डन ग्लव्स बेस्ट गोल कीपर, गोल्डन बॉल सार्थक रावत, गोल्डन बूट (6 गोल) शुभम नैथानी, उदीयमान खिलाड़ी कार्तिक रावत, प्लेयर ऑफ दी टूर्नामेंट लक्की रावत को कुंवर अजय सिंह व अजीत सिंह ने संयुक्त रूप से दिया। उपविजेता टीम हैरिटेज अकेडमी को मैडल, ट्राफी व नकद पुरस्कार संयुक्त रूप से पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारियों व कर्नल चंद्रपाल पटवाल के कर कमलों से प्रदान किया गया, जबकि इनामी राशि 6,000 गिरराज सिंह रावत द्वारा भेंट की गई। विजेता टीम आरपी पब्लिक स्कूल की टीम को मुख्य अथिति कमांडेन्ट गढ़वाल राइफल रेजीमेंट सेंटर लैंसडौन ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने विजेता ट्रॉफी व नकद पुरस्कार की 11,000 की धनराशि स्वयं ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने अपनी ओर से दी। इस अवसर पर मुख्य निर्णायक रितिक नेगी, सहायक दिनेश रावत, शुभम, फोर्थ ऑफिशियल इंद्र रावत, संरक्षक धीरेंद्र कंडारी, आयोजन समिति से गिरिराज सिंह रावत, पुष्कर सिंह नेगी, मोहन सिंह बिष्ट, प्रोफेसर डॉ. भगवत सिंह रावत, भारत नेगी, सिद्धार्थ रावत, प्रदीप राणा, फुटबॉल कोच महेंद्र रावत, सुनील रावत, दीपमोहन नेगी, इंद्र रावत, बलदेव नेगी, हर्षवर्धन बिंजोला आदि मौजूद थे। प्रतियोगिता के फाइनल मैच का आंखों देखा हाल सुरदीप गुसाईं व मेहरबान नेगी ने सुनाया।

विजेता टीम को ट्राफी देते हुए मुख्य अतिथि।

शिक्षामंत्री ने जनता दरबार में सुनीं लोगों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को ब्लॉक मुख्यालय थलीसैंण में आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने महालक्ष्मी किटों का भी वितरण किया। भ्रमण के दौरान थलीसैंण थाने के निर्माणाधीन भवन और नगर पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया। शिक्षा मंत्री ने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि कामों को समय से गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। कहा कि श्रीनगर विधानसभा को आदर्श विधानसभा बनाया जा रहा है। विकास योजनाओं को गति दी गई है। स्कूल से लेकर सड़क, पंचायत, पालिका आदि सभी में विकास कार्यों किए जा रहे है। थलीसैंण में आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अफसरों को निर्देश दिए कि आम जनता की समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जाए। थलीसैंण बाजार में लगी सोलर लाइटों और स्ट्रीट लाइटों का भी उन्होंने शुभारंभ किया। साथ ही थलीसैंण में बने ईको पार्क, 3.49 लाख की लागत से बने थलीसैंण बस स्टेशन के तप्पड़ का सौंदर्यीकरण और टिन शेड, 12.44 लाख की लागत से बने नगर पंचायत कैन्यूर बैंड पर स्वागत गेट का लोकार्पण किया। इसके साथ ही थलीसैंण ब्लाक के कार्यालय भवन के सुदृढ़ीकरण के नवनिर्माण, राजकीय इंटर कॉलेज गंगाऊ की जीव विज्ञान प्रयोगशाला, व्यासी शिव परिसर के समीप यात्री शेड, घाट निर्माण, बैठने हेतु बैंच, साइनेज आदि कामों सहित ग्राम पंचायत ऐंठी में कालिंका परिसर तोक में पर्यटकों के लिए रेन शेल्टर निर्माण, ग्राम रणगांव में भगवती परिसर के समीप पर्यटकों के लिए रेन शेल्टर, राउमावि पलाण स्कूल में क्षतिग्रस्त पुस्ता निर्माण व सौंदर्यीकरण काम और राउप्रावि कैन्यूर में एक अतिरिक्त कक्षा-कक्ष के निर्माण कामों का शिलान्यास किया। बहुउद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल भी लगाते हुए लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

वाल्मीकि जयंती पर निकाली शोभा यात्रा

वाल्मिकी जयंती पर पर्यटन नगरी लैंसडौन में शोभायात्रा निकालते हुए लोग।

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : पर्यटन नगर लैंसडौन में वाल्मीकि समिति की ओर से वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। बैंड बाजे के साथ महाऋषि वाल्मीकि की विभिन्न झांकियों के साथ पर्यटन नगरी में । शोभा यात्रा ने माहौल को भक्ति में डुबो दिया। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर वाल्मीकि मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद भगवान वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली गई। महर्षि वाल्मीकि की विभिन्न झांकियो के साथ शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण आदि की झांकियों ने नगर का भ्रमण किया। शोभा यात्रा वाल्मीकि मंदिर से प्रारंभ होकर के सदर बाजार लैंसडौन से होते हुए ऐतिहासिक गांधी चौक पहुंची और वापस मंदिर परिसर में आकर के संपन्न हुई। शोभा यात्रा के दौरान बैंड बाजों की धुन पर नाचते गाते हुए लोग आगे बड़े नगर क्षेत्र लैंसडौन में जगह-जगह क्षेत्र वासियों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा में शामिल रहे वाल्मीकि समिति के सदस्य और क्षेत्रवासी शामिल हुए।

गैरसैंण के सणकोट पेयजल योजना से आपूर्ति ठप

चमोली : गैरसैंण प्रखंड़ के सणकोट पेयजल योजना पर गत पांच माह से पानी की आपूर्ति ठप है। इस कारण रंगचौणा, सिलंगा और गोगना मल्ला के ग्रामीण पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। प्रधान रंगचौणा दीपा नेगी ने बताया कि पानी की आपूर्ति लम्बे समय से बंद होने के कारण उन्होंने सीएम पोर्टल पर भी इसकी शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन मामला आज भी जस का तस बना हुआ है। बता दें कि सणकोट पेयजल योजना से रंगचौणा, सिलंगा और गोगना मल्ला ग्राम पंचायत के एक दर्जन राजस्व गांवों पानी की आपूर्ति की जाती है। वर्तमान में पुरानी योजना के साथ ही जल जीवन मिशन की नई योजना पर भी पानी नहीं आ रही है। वहीं इसी क्षेत्र के आने वाली सरवर पेयजल योजना की भी दोनों छोटी योजनाएं बंद पड़ी हैं, जिससे बारिश के बाद अब इस गांव के प्राकृतिक स्रोत सूख जाने के कारण पानी का संकट शुरू हो गया है।

खंडस्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल का रहा दबदबा

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन ने उत्तराखंड संस्कृत अकादमी (उत्तराखंड सरकार) की ओर से आयोजित खण्ड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

राजकीय इंटर कॉलेज जयहरीखाल में दो दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रथम दिवस 15 अक्टूबर को आयोजित कनिष्ठ वर्ग में कक्षा आठवीं की परिधि गुसाईं ने श्लोकोच्चारण में प्रथम स्थान, संस्कृत समूह नृत्य में द्वितीय स्थान और संस्कृत समूह गान में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में 16 अक्टूबर को आयोजित वरिष्ठ वर्ग ने समूह नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि शालिनी मौर्य एसडीएम लैंसडौन और अमित चंद्र खंड शिक्षा अधिकारी जयहरीखाल द्वारा प्रमाण पत्र व प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों की उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। विद्यालय की संस्कृत अध्यापिका श्रीमती संगीता धस्माना और आशीष जोशी के नेतृत्व में इन प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ। साथ ही जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अर्हता प्राप्त की। प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने संस्कृत भाषा के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कहा कि संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति का अहम् हिस्सा है इसके अध्ययन से हमारे नैतिक और सामाजिक मूल्यों का विकास होता है।

विजेता टीम को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि।

संस्कृत नाटक और समूह नृत्य में राइका थलीसैंण रहा पहले स्थान पर

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय इंटर कॉलेज थलीसैंण में दो दिवसीय खंड स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता सम्पन्न हो गई है। कनिष्ठ वर्ग समूह नृत्य प्रतियोगिता में राउमावि मरोड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और नाटक प्रतियोगिता में राइका थलीसैंण प्रथम स्थान पर रहे, वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताओं के अंतर्गत समूह गान में राइका बगवाड़ी, श्लोकोच्चारण में राइका चौरा और समूह नृत्य में राइका थलीसैंण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ 15 अक्टूबर को राजकीय इंटर कॉलेज थलीसैंण के प्रांगण में खंड शिक्षा अधिकारी विवेक पंवार की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

अपने संबोधन में खंड शिक्षा अधिकारी ने छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु संस्कृत भाषा को आत्मसात करने एवं व्यवहारिक जीवन में प्रयोग में लाने पर बल दिया। प्रथम दिवस में कनिष्ठ वर्ग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें कक्षा 6 से कक्षा 10 के विकासखंड स्तरीय विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। द्वितीय दिवस अर्थात 16 अक्टूबर को वरिष्ठ वर्ग कक्षा 11 से एमए/शास्त्री तक के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन दोनों वर्गों में 6 समूहगान, समूह नृत्य, नाटक, श्लोकोच्चारण, आशु भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजि की गई। इस मौके पर राइका थलीसैंण के प्रधानाचार्य प्रकाश चंद्र ढौंडियाल, खंड संयोजक प्रकाश पोखरियाल, मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि आनंद सिंह नेगी पूर्व प्रधान कैन्यूर, वरिष्ठ पत्रकार आशाराम पोखरियाल, नगर पंचायत स्वच्छता समिति के ब्रांड एंबेसडर डॉ. सत्येंद्र सेमवाल, वीरमणि पोखरियाल पूर्व प्रधानाचार्य जनता इंटर कॉलेज धांधणखेत आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सिंह ने किया।

प्रतियोगिता की विजेता टीम को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि।

वाल्मीकी जयंती पर निकली झांकी, रात्रि हुआ जागरण

रुद्रप्रयाग : महर्षि वाल्मीकि जयंती के मौके पर बाल्मिकि समाज द्वारा नगर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोग देर शाम तक शोभा यात्रा में शामिल रहे। अनेक कलाकारों द्वारा नृत्य दिखाकर जनता को प्रभावित किया गया। स्थानीय व्यापारियों द्वारा शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। वाल्मीकि जयंती को लेकर जनपदभर में उत्साह रहा। मुख्यालय के साथ ही अनेक स्थानों पर शोभा यात्रा निकाली गई। मुख्यालय में वाल्मीकि बस्ती में बीती रात अखंड जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें रातभर भजन कीर्तन और नृत्य का आयोजन किया गया। पूजा अर्चना के बीच आरती प्रसाद वितरित किया गया। जबकि इसके बाद गुरुवार अपराहन बाद नगर में शोभा यात्रा निकाली गई। वाल्मीकि बस्ती से शुरू हुई शोभा यात्रा नए बस अड्डे से होकर पेट्रोल पम्प तक पहुंची।

एनएसएस के छः छात्र आरडी शिविर के लिए चयनित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के तत्वावधान में पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (पीआरडी) आयोजित किया गया। शिविर में बिड़ला परिसर, बीजीआर परिसर पौड़ी, एसआरटी परिसर टिहरी, राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार, अगस्तमुनि एवं तलवाड़ी के लगभग 50 छात्र-छात्राओ ने भाग लिया।

शिविर में विभिन्न चरणों में चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डा. सुनैना रावत ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्वयं सेवियों से निःस्वार्थ भाव से जुड़कर अपने व्यक्तित्व विकास के लिए कार्य करने को कहा। इस मौके पर विवि के एनएसएस प्रकोष्ठ ने गढ़वाल विवि की पूर्व छात्रा डा. सुनैना रावत को राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी नियुक्त होने पर खुशी जाहिर करते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक प्रो. ओके बेलवाल ने बताया कि पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में 6 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है जो नवम्बर माह में पटना में होने वाले आरडी शिविर में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. एनएस पंवार, डीएसडब्ल्यू प्रो. एमएस नेगी, कार्यक्रम समन्वयक डा. किरन वर्मा, योग विभागाध्यक्ष डॉ. अनुजा रावत एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रजनी नौटियाल, डॉ. हेमलता भट्ट, डॉ. अनुराही, डॉ. नसरुदीन एवं योग विभाग के डॉ. घनश्याम ठाकुर, डॉ. चिंताहरण बेताल, डा. विनोद नौटियाल सहित आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश नेगी ने किया। (एजेंसी)

केदारनाथ विस उप चुनाव में भाजपा को ही मिलेगी जीत : त्रिवेंद्र

रुद्रप्रयाग : पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत गुरुवार को रुद्रप्रयाग पहुंचे। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। सांसद त्रिवेंद्र रावत ने सिद्धपीठ कालीमठ, कार्तिक स्वामी और बदरीनाथ के दर्शन करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनकी धार्मिक यात्रा है।

उत्तराखंड के पूर्व सीएम एवं हरिद्वार सांसद सुबह रुद्रप्रयाग पहुंचे। पार्टी कार्यालय में रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, पूर्व अध्यक्ष विजय कप्रवान सहित कई कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि वे सिद्धपीठ कालीमठ में दर्शन एवं पूजा अर्चना करेंगे जबकि इसके बाद कार्तिक स्वामी मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजा करेंगे। शुक्रवार को वे बदरीनाथ के दर्शनों को रवाना होंगे।

त्रिवेंद्र ने कहा कि यह उनकी विशुद्ध रूप से धार्मिक यात्रा है। कहा कि वे प्रतिवर्ष किसी न किसी मंदिर की धार्मिक यात्रा करते रहे हैं। इस बार भी वे धार्मिक यात्रा पर निकले हैं। राजनीतिक सवाल पर भले ही उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं कहा किंतु केदारनाथ उप चुनाव के सवाल पर हरिद्वार सांसद ने कहा कि केदारनाथ के उप चुनाव में भाजपा को ही जीत मिलेगी। जल्द ही सरकार एवं संगठन पार्टी प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर देगी।

भालू के हमले में एक घायल, रेफर

चमोली : जोशीमठ के गांधीगनर वार्ड के रहने वाले 45 वर्षीय नरेन्द्र लाल पुत्र माधू लाल गुरुवार को भालू के हमले में गंभीर घायल हो गए। घायल नरेन्द्र लाल के सिर, हाथ, पीठ में गहरी चोटें आयी हैं। सीएचसी जोशीमठ में प्राथमिक उपचार के बाद नरेन्द्र को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। नरेन्द्र लाल को बदरीनाथ बाईपास में मोरचरी के निकट भालू ने घायल किया। जहां पर भालू ने हमला किया उस स्थान से 20 मीटर की दूरी पर पीजी कालेज और गढ़वाल स्काउट की कालोनी और आसपास दर्जनों आवासीय भवन भी स्थित हैं। नन्दा देवी नेशनल पार्क की एसडीओ सुमन ने बताया कि सीएचसी जोशीमठ में घायल का हाल जाना। घायल के परिजनों को उनके उपचार हेतु बीस हजार की सहायता राशि दे दी गई है। बताया कि घायल के साथ हायर सेंटर में वन कर्मी भी भेजे गए हैं। एसडीओ ने कहा कि कागजी कार्यवाही के बाद नियमानुसार जो भी राशि तय होगी वह घायल को जारी कर दी जायेगी। एसडीओ सुमन कहती हैं कि नगर के सभी क्षेत्रों में भालू की मौजूदगी देखी गई है।

संस्कृत प्रतियोगिताओं में संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी का रहा दबदबा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा विभिन्न खंडों में खंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कोट ब्लॉक की संस्कृत प्रतियोगिताओं में ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी का दबदबा रहा। कोट ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज नाहसैण में प्रधानाचार्य संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी व खंड संयोजक ने दीप प्रज्वलन कर प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से सभी को आकर्षित किया। संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी ने खंड स्तर में सभी प्रतियोगिताओं में कनिष्ठ वर्ग में वाद विवाद, आशुभाषण, श्लोकोच्चारण, समूहगान, नृत्य-नाटक 6 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब सभी छात्र जनपद के लिए चयनित हुए उसके बाद राज्य में प्रतिभाग करेगें। दल शिक्षक आचार्य नवीन ममगाई, अनूप कुकरेती, कमलदीप के साथ सभी प्रतिभागियों ने सुंदर प्रदर्शन किया। वरिष्ठ आचार्य नवीन जुयाल ने बताया कि छात्रों की दिन-रात की मेहनत का परिणाम है। विद्यालय का प्रतियोगिताओं में निरन्तर 2008 से उत्कृष्ट रिकार्ड बना है। प्रधानाचार्य अनसूया प्रसाद ने बताया कि छात्रों ने सुंदर प्रदर्शन से ब्लॉक स्तर में सर्वोत्कृष्ट स्थान बनाया, अब ये छात्र जनपद में प्रतिभाग करेगें, उसके बाद राज्य में।

3000 मी. दौड़ में प्राची व अजीत ने मारी बाजी

लंबी कूद में प्रतिभाग करती हुई छात्रा।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : दो दिवसीय न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुम्भ-2024 का आयोजन विकासखंड कोट के राइका घिण्डवाडा में हुआ। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी।

खेल का शुभारम्भ प्रधानाचार्य सुभाष कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि इस महाकुम्भ में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के अनेक प्रतिभावान छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। खेल महाकुम्भ का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि जागृत करना और उनके शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा देना है। न्याय पंचायत स्तर पर खेल महाकुम्भ में सीनियर व जूनियर वर्ग खो-खो में राइका घिण्डवाडा विजेता रहा, जबकि राइका दोन्दल की टीम उप विजेता रही। वहीं कबड्डी में राइका दोन्दल की टीमें सभी वर्गों में विजयी रही। जबकि लम्बी दौड़ 3000 मीटर बालिका वर्ग में राइका दोन्दल की प्राची व बालक वर्ग में राइका घिण्डवाड़ा के अजीत प्रथम स्थान पर रहे। इस अवसर पर खेल संयोजक जोत सिंह राणा, दामिनी नैथानी सहित छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

संवेदनशील सरकार : वर्षों बाद हुई घर वापसी तो भर आई आंखें

फैमिली रीयूनियन प्रोग्राम के तहत अब तक 23 महिलाओं को मिल चुका है बिछड़ा परिवार

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा हो, जिसका अपना परिवार न हो। लेकिन वक्त की मार कई बार, इंसान को घर परिवार से इतना दूर कर देती है कि फिर वापसी की उम्मीद दिनों दिन क्षीण होती जाती है।

महिला बाल कल्याण विभाग के अधीन देहरादून के केदारपुरम में संचालित नारी निकेतन में भी ऐसी कई दिल तोड़ने वाली कहानियां है। लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन निराश्रितों के जीवन में रंग भरने का काम कर रही है। सरकार की ओर से चलाए जा रहे फैमिली रीयूनियन प्रोग्राम के तहत अब तक 23 महिलाओं को उनके बिछड़े परिवार से मिलाया जा चुका है।

फैमिली रीयूनियन प्रोग्राम, देहरादून नारी निकेतन में दिन काट रही महिलाओं के जीवन को नई दिशा दे रहा है। इस प्रोग्राम के तहत देश के विभिन्न राज्यों में ही नहीं, बल्कि नेपाल, बांग्लादेश में तक इन महिलाओं के बिछड़े परिवारों की तलाश की जा चुकी है। इसमें बांग्लादेश की नूरजहां को 32 साल बाद अपना परिवार मिल पाया है।

इसी तरह रांची झारखंड की रहने वाली जूनी टोपो भी 30 साल बाद अपने परिवार से मिल पाई है। प्रोग्राम के तहत ना सिर्फ निराश्रित महिलाओं की घर वापसी कराई जाती है, बल्कि इसके बाद भी इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, एक नेटवर्क तैयार किया जाता है। इस तरह सरकार सुनिश्चित करती है कि कई सालों के बाद परिवार से मिलने के बावजूद महिलाओं का जीवन सुरक्षित बना रहे। नारी निकेतन निराश्रित महिलाओं को सुरक्षित आश्रय देता है, लेकिन यह बात प्रमाणित है कि हर इंसान अपने परिवार के बीच ही खुश रह सकता है। इसलिए सरकार का प्रयास है कि यहां रह रही सभी महिलाओं को उनके परिवार से मिलाया जाए। इसके लिए चलाए जा रहे फैमिली रीयूनियन प्रोग्राम ने अच्छे परिणाम दिए हैं। सरकार यहां रह रही महिलाओं को कौशल विकास का भी प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

घर वापसी -01

आसाम की रहने वाली वृंदा 17 साल पहले अपने परिवार से बिछड़ गई थी, उन्होंने लंबा समय आश्रमों में बिताया, वृंदा 25 अगस्त 2023 को देहरादून नारी निकेतन में दाखिल हुई। यहां प्रोग्राम फैमिली रीयूनियन प्रोग्राम के तहत, टीम ने उनकी घंटों काउंसिलिंग करते हुए, उनके परिवार का नाम पता जानने में कामयाबी हासिल की। आखिरकार इसी साल 29 अप्रैल को वृंदा के भाई उन्हें लेने के लिए देहरादून पहुंचे, जहां कानूनी औपचारिकता के बाद उन्हें परिवार को सौंप दिया गया।

घर वापसी -02

नेपाल की रहने वाली कमला कुमारी 2012 में अपने परिवार से बिछड़ गई थी। इसके बाद वो 2016 में अचानक उत्तरकाशी में मिली, जहां स्थानीय जिला प्रशासन ने उसे नारी निकेतन भेज दिया। अब रीयूनियन प्रोग्राम के तहत, रोलपा नेपाल में उनका बेटा मिल गया है। तमाम कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद इसी महीने तीन अक्तूबर को कमला का बेटा अपनी बिछड़ी मां को लेकर वापस नेपाल चला गया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com